श्रमसाधना

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

www.shramsadhnanews.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnanews.com

दैनिक प्रातःकालीन

RNI रजि. क्र. 50068/76

वर्ष : 51, अंक : 158 शिवपुरी, मंगलवार 15 सितंबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 2 रुपया

डाक पंजीयन
MP/GNA/20/2022-23

प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिवस पर दीप प्रज्ज्वलित कर होगा आभार प्रदर्शन

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रज्ज्वलित विकास के दीपक का प्रकाश फैल रहा हैं देशभर में : डॉ. यादव

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रज्ज्वलित विकास के दीपक का प्रकाश देशभर में फैल रहा है। यह श्री मोदी के सेवा और जिम्मेदारी के 25 वर्षों के उजास का प्रतीक है। प्रदेश में सेवा-संकल्प अभियान 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक संचालित होगा। प्रदेशवासी प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर को बड़ी संख्या में दीप प्रज्वलित कर उनके प्रति आभार प्रदर्शित करेंगे, हमारा प्रयास हो कि इस अवसर पर दीप प्रज्वलन का विश्व रिकॉर्ड कायम हो। सेवा संकल्प अभियान का आयोजन ग्राम और नगर स्तर पर अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करते हुए उत्साह पूर्वक किया जाये। सभी कार्यक्रमों की पूर्व तैयारी के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय कर प्रभावी मॉनीटरिंग हो। वि?भिन्न कार्यक्रमों की व्यवस्था के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ ही जनप्रतिनिधियों से भी बेहतर समन्वय और सभी संबंधितों की शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवा के रंग-राष्ट्र के संग कार्यक्रम के अंतर्गत जबलपुर में ह्युमन रंगोली का राज्य स्तरीय आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवा संकल्प अभियान की प्रदेश में जारी तैयारियों की समत्व भवन में समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए।

बैठक में उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, मंत्री श्री राकेश सिंह, मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, मंत्री श्री विश्वास सारंग, श्री नागर सिंह चौहान, मंत्री श्री राकेश शुक्ला, मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार और राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल वर्चुअली शामिल हुए। समत्व भवन में हुई बैठक में मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, श्री केसी गुप्ता, श्री संजय दुबे, श्री अनुपम राजन, श्री संजय शुक्ला, श्री शिवशेखर शुक्ला तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक से समस्त संभागायुक्त तथा जिला कलेक्टर्स वर्चुअली जुड़े।

अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों पर प्रस्तुतिकरण : सेवा-संकल्प अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर को आर्शीवाद का दिया कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश में दीप प्रज्वलन के साथ होगी। उज्जैन के महाकाल महालोक सहित प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों के प्रत्येक वार्ड में शाम 7 बजे एकसाथ दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, उज्जैन के कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। प्रदेश के सभी लाभार्थी परिवारों और संस्थाओं को दीप प्रज्वलन में शामिल किया जाए। प्रयास है कि इस महत्वपूर्ण अवसर पर मध्यप्रदेश दीप प्रज्वलन में विश्व रिकॉर्ड कायम करे। इसी दिन सभी स्वास्थ्य केंद्रों और मेडिकल कॉलेजों में रक्तदान शिविर आयोजित होंगे। बैठक में रक्त संग्रह, परिवहन और संग्रहण के लिए आवश्यक व्यवस्था के भी निर्देश दिए हैं। कार्यक्रम के राज्य प्रभारी, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय होंगे। सेवा-संकल्प अभियान के अंतर्गत मेरे सपनों का भारत कार्यक्रम में 19 से 26 सितम्बर तक जिलास्तर पर और 4 व 5 अक्टूबर को राज्यस्तर पर चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं होंगी। इनमें सभी शासकीय और निजी स्कूल, कॉलेज भागीदारी करेंगे। राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार और मुख्यमंत्री जी द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र वितरित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा राज्य स्तरीय अभियंता दिवस समारोह

भोपाल जीएनएस

अभियंता दिवस के अवसर पर लोक निर्माण विभाग द्वारा 15 सितम्बर को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में राज्य स्तरीय अभियंता दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समारोह के मुख्य अतिथि होंगे, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

'लोक निर्माण से लोक कल्याण' की अवधारणा पर आयोजित समारोह में अधोसंरचना निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य और उल्लेखनीय योगदान देने वाले अभियंताओं, अधिकारियों, संयुक्त दलों तथा निर्माण एजेंसियों को 'लोक निर्माण पुरस्कार' से सम्मानित किया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम और मध्यप्रदेश भवन विकास निगम से प्राप्त प्रस्तावों के विस्तृत परीक्षण के बाद पुरस्कारों के लिए उत्कृष्ट कार्यों का चयन किया गया है। समारोह में मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया पुरस्कार, विश्वकर्मा पुरस्कार, विक्रमादित्य पुरस्कार, रानी दुर्गावती पर्यावरण हितैषी पुरस्कार और राजा भोज पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इन पुरस्कारों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निर्माण, तकनीकी नवाचार, पर्यावरण संरक्षण तथा जनहितकारी अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करने वाले अभियंताओं और निर्माण एजेंसियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। समारोह का उद्देश्य प्रदेश में श्रेष्ठ अभियांत्रिकी कार्यों को पहचान देने के साथ निर्माण क्षेत्र में गुणवत्ता, उत्तरदायित्व और नवाचार की संस्कृति को और सुदृढ़ करना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु रामदास जी के ज्योति-ज्योत दिवस पर किया नमन

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिख धर्म के चतुर्थ गुरु ,गुरु रामदास जी के ज्योति-ज्योत दिवस पर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि गुरु रामदास जी का पावन जीवन सेवा, समर्पण और आध्यात्मिक चेतना का अनुपम उदाहरण है। उनके आदर्श हमें विनम्रता, परस्पर सद्भाव और निःस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा करते हुए समाज के कल्याण के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तीरंदाजी विश्वकप में स्वर्ण पदक विजेता श्री बोम्मादेवरा को दी बधाई

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तीरंदाजी विश्वकप-2026 के अंतर्गत मैक्सिको में खेले गए फाइनल मुकाबले में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचने वाले देश के प्रतिभाशाली तीरंदाज श्री धीरज बोम्मादेवरा को बधाई दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने %एक्स% पर कहा कि श्री बोम्मादेवरा ने तीरंदाजी विश्व कप में पुरूषों की रिकर्व स्पर्धा में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतकर देशवासियों को गौरवान्वित किया है। वे इस प्रतियोगिता में पहले भारतीय पुरुष रिकर्व खिलाड़ी भी बने। श्री बोम्मादेवरा की यह उपलब्धि उनकी प्रतिभा, अथक परिश्रम, अटूट संकल्प और देश के लिए कुछ कर गुजरने के प्रति उनके जज्बे का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार से बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखने के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में नागरिक विमानों के बीच सैन्य विमान की पहचान कर की कार्रवाई, रक्षा तंत्र की लंबी मारक क्षमता सामने आई

314 किमी दूर पाकिस्तानी विमान को एस-400 ने बनाया निशाना

नई दिल्ली जीएनएस

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना के एस-400 वायु रक्षा तंत्र ने पाकिस्तान के भीतर करीब 314 किलोमीटर दूर उड़ रहे एक सैन्य विमान को निशाना बनाया था। रक्षा संबंधी रिपोर्ट में इसे जमीन से हवा में की गई सबसे लंबी दूरी की सफल कार्रवाई में से एक बताया गया है। पूर्व वायुसेना अधिकारी एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा ने भी बताया था कि एस-400 से पाकिस्तानी हवाई चेतावनी एवं नियंत्रण विमान को 314 किलोमीटर की दूरी पर मार गिराया गया।

ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान ने अपना हवाई क्षेत्र पूरी तरह बंद नहीं किया था और वहां नागरिक विमान भी उड़ान भर रहे थे। ऐसे में भारतीय वायुसेना के सामने सैन्य और नागरिक विमानों की सटीक पहचान करना महत्वपूर्ण चुनौती थी। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय वायुसेना ने सैन्य विमान की पहचान कर एस-400 के जरिए उसे निशाना बनाया।

आसमान में निगरानी करने वाला विमान था लक्ष्य : रिपोर्ट में लक्ष्य को विशेष अभियान वाला विमान बताया गया है। हालांकि, भारतीय वायुसेना के अधिकारियों की ओर से पहले इसे पाकिस्तान का हवाई चेतावनी एवं नियंत्रण विमान बताया जा चुका है। ऐसे विमान हवा में मौजूद खतरों और लक्ष्यों की निगरानी के साथ सैन्य विमानों को दिशा-निर्देश देने का काम करते हैं। पूर्व एयर मार्शल मिश्रा के अनुसार पाकिस्तान के जमीन आधारित रडार और नियंत्रण तंत्र को नुकसान पहुंचने के बाद ऐसे विमानों पर उसकी निर्भरता बढ़ गई थी।

एस-400 ने खतरे को ट्रैक कर दागी मिसाइल : एस-400 ने लक्ष्य की निगरानी और पहचान के बाद लंबी दूरी की जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल से कार्रवाई की। 314 किलोमीटर की दूरी पर लक्ष्य को निशाना बनाए जाने को भारतीय वायु रक्षा क्षमता की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना गया। रक्षा विश्लेषण से जुड़े स्रोतों ने भी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 द्वारा 314 किलोमीटर दूर पाकिस्तानी हवाई चेतावनी एवं नियंत्रण विमान को निशाना बनाए जाने का उल्लेख किया है।

एस-400 क्यों है महत्वपूर्ण : रूस निर्मित एस-400 लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली है। यह लड़ाकू विमान, ड्रोन और विभिन्न प्रकार की मिसाइलों सहित हवाई खतरों का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए बनाई गई है। इसकी लंबी दूरी की मारक क्षमता के कारण यह दुश्मन के विमानों को काफी दूर से ही खतरे के दायरे में ला सकती है।

ऑपरेशन सिंदूर में निभाई अहम भूमिका : पहलगाम आतंकी हमले के बाद मई 2025 में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। अभियान के दौरान भारतीय वायु रक्षा तंत्र ने पाकिस्तानी हवाई हमलों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 314 किलोमीटर दूर लक्ष्य को निशाना बनाए जाने की कार्रवाई ने एस-400 की लंबी दूरी की क्षमता को भी सामने रखा।

संपूर्ण जिले में रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक लाउडस्पीकर एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों का सार्वजनिक उपयोग पूर्णतः रहेगा प्रतिबंधित

गुना, जीएनएस। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री किशोर कुमार कन्याल द्वारा जिले में ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण, कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा आम नागरिकों के स्वास्थ्य एवं सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग संबंधी प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होकर 11 नवंबर 2026 तक प्रभावशील रहेगा।

जारी आदेशानुसार पुलिस अधीक्षक गुना द्वारा ध्वनि प्रदूषण की बढ़ती घटनाओं तथा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने की आवश्यकता को देखते आदेश जारी किया गया हैं। कलेक्?टर श्री कन्?याल द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 एवं ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम 2000 के तहत विभिन्न प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गये हैं।

1.संपूर्ण जिले में रात्रि 10ः00 बजे से प्रातः 6ः00 बजे तक लाउडस्पीकर एवं ध्वनि विस्तार यंत्रों का सार्वजनिक उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

2.डी.जे. (छ्ङ्क) का उपयोग किसी भी समय चलित रूप से नहीं होगा। इसके अतिरिक्त शहर के सड़कों, चौराहों, सार्वजनिक मार्गो में डीजे को किसी एक स्थान पर स्थाई /अस्थाई रूप से स्थापित कर उपयोग किया जाना प्रतिबंधित रहेगा।

3.डीजे (छ्ङ्क) का उपयोग केवल विधिवत् अनुमत मैरिज गार्डन अथवा आवृत परिसर (ष्टश्1द्गह्म्द्गस्र ष्ट्रह्वद्धह्यद्बह्वद्व) के भीतर ही निर्धारित डेसीबल क्षमता में निर्धारित समयावधि (रात्रि 10 बजे तक) में ही किया जा सकेगा।

4.किसी भी गली, मोहल्ला, चौराहे, रास्ते आदि सार्वजनिक स्थलों पर स्थिर (स्ह्लड्डह्लद्बष्) रूप से लाउडस्पीकर/ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग किसी भी समय नहीं किया जायेगा।

5.यह प्रतिबंध विवाह समारोह, जुलूस, शोभायात्रा, त्यौहार सहित समस्त आयोजनों पर लागू रहेगा।

6.आदेश का उल्लंघन पाए जाने की स्थिति में संबंधित डीजे सिस्टम, ध्वनि विस्तारक यंत्र, जनरेटर एवं उपयोग में लाया गया वाहन तत्काल जब्त किया जाकर आवश्यक कानूनी एवं वैधानिक कार्यवाही की जाएगी एवं आवश्यकतानुसार कार्यक्रम स्थल को विधिसम्मत प्रक्रिया के अंतर्गत सील (स्द्गड्ढ) किया जा सकेगा।

7.मोटरयान अधिनियम, 1988 के प्रावधानों के विपरीत संशोधित पाए जाने वाले डीजे वाहनों के विरुद्ध पुलिस विभाग एवं परिवहन विभाग द्वारा पृथक से वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

8.किसी भी उल्लंघन की स्थिति में कार्यक्रम आयोजक, स्थल स्वामी एवं डीजे संचालक संयुक्त रूप से उत्तरदायी होंगे।

9.प्रतिबंध अवधि में डीजे हेतु विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति/संस्था के विरुद्ध भी विधिसम्मत कार्यवाही की जाएगी।

10.मैरिज गार्डन संचालक एवं डीजे संचालक द्वारा डीजे की ध्वनि तीव्रता की स्व:परीक्षण हेतु मान्यता प्राप्त/उपलब्ध ध्वनि मापन अनुप्रयोग (Sound Decibel Meter App) अथवा अन्य ध्वनि मापन यंत्र के माध्यम से ध्वनि स्तर की जांच की जा सकेगी, जिससे निर्धारित ध्वनि मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

11.पुनरावृत्ति (Repeat Offence) की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी तथा मैरिज गार्डन संचालक की अनुमति निरस्त की जा सकेगी।

डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग केवल शासन द्वारा निर्धारित ध्वनि मानकों के अनुरूप ही किया जा सकेगा। औद्योगिक क्षेत्र में दिन में 75 एवं रात्रि में 70 डेसीबल, वाणिज्यिक क्षेत्र में 65 एवं 55 डेसीबल, आवासीय क्षेत्र में 55 एवं 45 डेसीबल तथा शांत क्षेत्र में 50 एवं 40 डेसीबल की सीमा निर्धारित है। निर्धारित सीमा से अधिक ध्वनि स्तर पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर श्री कन्याल ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति अथवा संस्था के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 एवं अन्य प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होकर 11 नवम्?बर 2026 तक प्रभावशील रहेगा।

श्रम प्रहरी बन श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करें

गुना, जीएनएस। श्रमिकों के हितों की रक्षा एवं श्रम कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु मध्यप्रदेश शासन, श्रम विभाग द्वारा ÷श्रम प्रहरी÷ योजना का शुभारंभ किया गया है। श्रम प्रहरी जिले के सभी श्रमिकों के लिए समर्पित साथी बनकर उनके अधिकारों, सुरक्षा तथा कल्याण को सुनिश्चित करेगा।

श्रम प्रहरी द्वारा श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी, कार्यस्थल सुरक्षा, सुरक्षा उपकरण तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के संबंध में जानकारी एवं सहायता प्रदान की जाएगी। श्रमिकों के शोषण, बिना वेतन, बकाया भुगतान एवं कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार की अनियमितता की शिकायतों को त्वरित दर्ज कर समाधान हेतु कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का पंजीयन कर शासन की कल्याणकारी योजनाओं जैसे ई-श्रम, निर्माण श्रमिक कल्याण योजना, मातृत्व लाभ, दुर्घटना सहायता इत्यादि का लाभ दिलवाने में सहयोग किया जाएगा।

श्रमिक अपनी शिकायत अथवा सुझाव निःशुल्क टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-233-8888 पर प्रातः 9 बजे से सायं 6 बजे तक सभी कार्य दिवसों पर दर्ज करा सकते हैं। श्रम विभाग पोर्टल द्यड्डढ्ढश्वह्वह्म्.द्वश्च.द्दश्1.द्बठ्ठ पर ऑनलाइन शिकायत एवं जानकारी हेतु उपलब्ध है। जिला श्रम कार्यालय, गुना में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर भी आवेदन प्रस्तुत किया जा सकता है। श्रम विभाग गुना द्वारा जिले के समस्त नियोक्ताओं एवं श्रमिकों से अपील की गई है कि वे श्रम प्रहरी के साथ सहयोग कर श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। यह पहल श्रमिकों को जागरूक, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अधिक जानकारी हेतु कलेक्?ट्रेट कार्यालय स्थित श्रम विभाग में संपर्क किया जा सकता हैं।

गुना। पत्रकार वार्ता में मुख्य वक्ता मध्यप्रदेश सरकार में कैविनेट मंत्री श्री तुलसी सिलावट जी ने विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर पत्रकार वार्ता में उपस्थित रहे भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया, प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट विकास जैन नखराली एवं मीडिया प्रभारी अंकुर श्रीवास्तव मौजूद रहे।

!!.मेहनत और सफलता की मिसाल बनी दो भाईयों की जोड़ी- उत्तर प्रदेश के चर्चित IAS-IPS भाई- एक जिले में DM की कमान.. पड़ोसी जिले में DIG की जिम्मेदारी.!!

दो सगे भाई एक ही जिले की संभाल रहे है कमान इस वजह से इनकी जोड़ी चर्चा में है। चर्चित 2011 बैच के IPS अधिकारी डॉ. अजय पाल शर्मा और उनके छोटे भाई 2016 बैच के ढ्ढस् अधिकारी डॉ. अमित पाल शर्मा की।

उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक और पुलिस महकमे में इन दिनों दो सगे भाइयों की जोड़ी की हर तरफ चर्चा हो रही है। यह कहानी है उत्तर प्रदेश कैडर के चर्चित 2011 बैच के ढ्ढक्क्र अधिकारी डॉ. अजय पाल शर्मा और उनके छोटे भाई 2016 बैच के ढ्ढस् अधिकारी डॉ. अमित पाल शर्मा की। वर्तमान में आईएएस अमित पाल शर्मा कौशांबी जिले के जिलाधिकारी (ष्ठरू) के रूप में तैनात हैं, वहीं उनके बड़े भाई आईपीएस अजय पाल शर्मा प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट में अपर पुलिस आयुक्त (ष्ठद्भत्र) का पद संभाल रहे हैं। प्रयागराज और कौशांबी दोनों जिले एक-दूसरे से बिल्कुल सटे हुए हैं, जिसके कारण इस टॉप अधिकारी भाई-जोड़ी की एक ही क्षेत्र में मौजूदगी खासी सुर्खियां बटोर रही है।

गणेश उत्सव को लेकर पुलिस ने डीजे संचालकों की ली बैठक

पोरसा। गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने को लेकर पोरसा थाना पुलिस ने डीजे संचालकों की बैठक आयोजित की। बैठक में पुलिस ने सभी डीजे संचालकों को उत्सव के दौरान निर्धारित नियमों और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए कहा। पुलिस अधिकारियों ने डीजे संचालकों को समझाइश देते हुए कहा कि गणेश उत्सव के दौरान डीजे का संचालन निर्धारित समय एवं ध्वनि सीमा के अनुरूप ही किया जाए। धार्मिक आयोजन की आड़ में तेज आवाज में डीजे बजाने या आमजन को परेशानी होने की स्थिति से बचने के निर्देश दिए गए। बैठक में यह भी कहा गया कि डीजे संचालक आयोजकों की अनुमति एवं निर्धारित नियमों के अनुसार ही साउंड सिस्टम उपलब्ध कराएं। किसी भी प्रकार की शिकायत या विवाद की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने की बात कही गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि गणेश उत्सव के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में डीजे संचालकों ने पुलिस को सहयोग का भरोसा दिया।

पोरसा में गणेश महोत्सव का भव्य शुभारंभ, 108 दीपकों से हुई महाआरती; शोभायात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

पोरसा। गणेश चतुर्थी पर भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमाओं की दुकानदारों के यहां जाम की दुकानदारी हुई प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश जी के महोत्सव का शुभारंभ नगर में धार्मिक उल्लास और भक्तिमय वातावरण के बीच हुआ। गणेश चतुर्थी के अवसर पर नगर के विभिन्न स्थानों पर आकर्षक पंडाल सजाए गए हैं। भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमाओं की स्थापना के साथ ही धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला भी शुरू हो गया है। चारों ओर गणपति बप्पा के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। गणेश उत्सव के उपलक्ष्य में भगवान श्री गणेश जी के मंदिर पर अखंड रामायण पाठ का आयोजन शुरू किया गया। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर धार्मिक कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर आचार्य आनंद शास्त्री जी के द्वारा भगवान श्री गणेश जी की 108 दीपकों से भव्य महाआरती की गई। महाआरती के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण गणपति के जयघोष से गूंज उठा।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट पब्लिक इमेज सेमिनार 'प्रतिष्ठा-ढ्ढ' को मिली शानदार सफलता

पोरसा/मुरैना रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3053 के तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय डिस्ट्रिक्ट पब्लिक इमेज सेमिनार 'प्रतिष्ठा-ढ्ढ' रविवार, 13 सितंबर को शुभिम रिसॉर्ट, बानमोर में उत्साह और गरिमापूर्ण माहौल के बीच सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस की तर्ज पर आयोजित इस भव्य सेमिनार में रोटरी की पब्लिक इमेज, मीडिया, ब्रांडिंग तथा स्थायी सामाजिक प्रकल्पों को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सीए रोटे. बृज मोहन अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर पीडीजी वी.के. गंगवाल, एआरपीआईसी पवन खंडेलवाल सहित डिस्ट्रिक्ट के अनेक वरिष्ठ रोटरी पदाधिकारी एवं रोटेरियन्स मौजूद रहे।

सेमिनार के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता पीडीजी अजय गुप्ता (ऋद्धष्ठ 3141) ने 'रोटरी को बेहतर संबंधों के लिए पब्लिक इमेज की आवश्यकता' विषय पर सारगर्भित संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि रोटरी द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ÷ङ्कद्बह्यद्बड्ढद्बद्यद्बह्ल4 स्मड्डस्रद्ग ह्लश स्ह्वष्ष्द्गह्यह्य – जो दिखता है वही बिकता है। हमें अच्छा काम करने के साथ-साथ उसे समाज तक पहुंचाना भी आना चाहिए।÷

तीन तकनीकी सत्रों में पब्लिक इमेज पर हुआ मंथन

सेमिनार के दौरान तीन महत्वपूर्ण तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें विशेषज्ञों एवं वरिष्ठ रोटरी पदाधिकारियों ने पब्लिक इमेज को मजबूत बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विचार साझा किए।

पहला सत्र – 'समाज में अपनी छवि कैसे सुधारें'

इस सत्र में पैनल चर्चा के माध्यम से रोटरी की सामाजिक छवि को प्रभावी बनाने के उपायों पर चर्चा हुई। पैनल में पीडीजी पवन खंडेलवाल, आईपीडीजी निशा शेखावत सहित अन्य वक्ताओं ने अपने अनुभव एवं विचार साझा किए।

दूसरा सत्र – 'मीडिया और ब्रांडिंग'

इस सत्र में पीडीजी राहुल श्रीवास्तव एवं अन्य वक्ताओं ने रोटरी की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से समाज तक पहुंचाने के लिए बैनर एवं डिजाइन, प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा सोशल मीडिया के बेहतर उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी।

तीसरा सत्र – 'स्थायी प्रोजेक्ट-पब्लिक इमेज की कुंजी'

डीजीई प्रदीप पाराशर ने स्थायी सामाजिक प्रकल्पों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सीएसआर एवं ग्लोबल ग्रांट के माध्यम से ऐसे प्रोजेक्ट तैयार किए जा सकते हैं, जो लंबे समय तक समाज के लिए उपयोगी रहने के साथ रोटरी की पहचान भी बनें।डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सीए रोटे. बृज मोहन अग्रवाल ने अपने विजन को साझा करते हुए कहा कि प्रत्येक रोटरी क्लब को कम से कम एक स्थायी प्रोजेक्ट अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के लिए किए गए ऐसे स्थायी और प्रभावी कार्य ही रोटरी की वास्तविक पब्लिक इमेज बनाते हैं।

जिला सहकारी बैंक की आर्थिक मजबूती के लिये जमा राशि और वसूली बढ़ाने पर जोर

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने बैठक लेकर की जिला सहकारी बैंक व उसकी शाखाओं की समीक्षा

ग्वालियर, जीएनएस। जिला सहकारी बैंक एवं उसकी शाखाओं और प्राथमिक सहकारी संस्थाओं को सरकार की मंशा के अनुरूप आर्थिक रूप से सशक्त एवं अधिक किसान हितैषी बनाने के लिये ग्वालियर जिले में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इस सिलसिले में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिला सहकारी बैंक व उसकी शाखाओं से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों की बैठक लेकर जमा बढ़ाने, बकाया ऋणों की प्रभावी वसूली, ऋण वितरण और नवीन सदस्यता अभियान को गति देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने जिला सहकारी बैंक एवं उसकी शाखाओं से बकाया राशि की वसूली के लिये विशेष कार्ययोजना बनाने और हर माह का लक्ष्य निर्धारित कर वसूली करने के निर्देश दिए।

शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि सहकारी बैंक आर्थिक रूप से मजबूत होंगे तो सरकार की मंशा के अनुरूप अधिक से अधिक किसानों को खेती-किसानी के लिये समय पर ऋण उपलब्ध कराया जा सकेगा। बैठक में जिला सहकारी बैंक की अंशपूंजी, अमानत संग्रहण, ऋण वितरण, बकाया वसूली एवं नवीन सदस्यता अभियान की विस्तार से समीक्षा की गई। सहकारी बैंकों में दुग्ध समितियों, मत्स्य समितियों एवं वनोपज समितियों के सहकारी बैंक में खाते खुलवाने के निर्देश भी कलेक्टर द्वारा दिए गए।

बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती जुही गर्ग, जिला सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अरस्तू प्रभाकर, जिले की सभी सहकारी बैंक शाखाओं के प्रबंधक एवं मुख्यालय के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रतिदिन तीन लाख रुपए जमा कराने का लक्ष्य

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने निर्देश दिए कि सहकारी बैंकों में अमानत संग्रहण (जमा) बढ़ाने के कार्य को चुनौती के रूप में लिया जाए। इसके लिये प्रतिदिन तीन लाख रुपए जमा कराने का लक्ष्य निर्धारित कर योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल फोन के माध्यम से संपर्क करने के बजाय संभावित अमानतदारों से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित कर उन्हें सहकारी बैंक में धनराशि जमा करने के लाभों की जानकारी दी जाए। साथ ही अमानत संग्रहण अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिये स्मार्ट सिटी के कॉल सेंटर का उपयोग करने के लिये भी कहा। उन्होंने जिला सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को अधिक अमानत संग्रहण एवं बकाया वसूली करने वाले कर्मचारियों को विशेष प्रोत्साहन देने के निर्देश भी दिए गए।

हर सोसायटी के 20 बड़े बकायादारों से पहले की जाए वसूली, बाधा डालने वालों पर होगी कार्रवाई

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिला सहकारी बैंक एवं उसकी शाखाओं से संबंधित बकाया राशि की वसूली के लिये विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा हर माह का वसूली लक्ष्य निर्धारित करें और प्रत्येक सोसायटी के 20 प्रमुख बकायादारों की पहचान कर उनसे प्राथमिकता के आधार पर वसूली की जाए। बैठक में स्पष्ट किया कि वसूली कार्य में किसी भी प्रकार की बाधा या दबाव को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वसूली के लिये जाने वाले कर्मचारियों को यदि कोई बकायादार हथियार का भय या दबाव दिखाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई के साथ शस्त्र लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई भी की जाएगी। कलेक्टर ने शासकीय सेवकों पर बकाया राशि की जानकारी संकलित कर नियमानुसार उनके वेतन से वसूली की कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

ऋण चुकाने के फायदे भी समझाएं

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अधिकारियों से कहा कि बकायादारों पर केवल वसूली के लिये दबाव देने के बजाय उन्हें ऋण चुकाने के लाभों के बारे में भी समझाया जाए। उन्हें बताएं कि सहकारी बैंक का ऋण समय पर जमा करने से भविष्य में खेती-किसानी और अन्य आवश्यक कार्यों के लिये ऋण प्राप्त करने में सुविधा होगी। उन्होंने जिला सहकारी बैंक एवं उसकी शाखाओं के प्रत्येक कर्मचारी को बैंक का पहचान पत्र जारी करने के निर्देश दिए।

सीएम राइज विद्यालय कुलैथ में हुआ शैक्षिक संवाद

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बच्चों में सीखने की प्रवृत्ति जागरूक करने की बारीकियां समझाई गईं

ग्वालियर, जीएनएस। ग्वालियर जिले के शासकीय स्कूलों में शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली के संबंध में जानकारी देने के लिये शैक्षिक संवाद आयोजित किए जा रहे हैं। इस क्रम में शनिवार को सीएम राइज विद्यालय कुलैथ में शैक्षिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) श्री रविन्द्र सिंह तोमर ने जिले के शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रभावी शिक्षण व्यवस्था पर अपने विचार साझा किए।

शैक्षिक संवाद के दौरान डीपीसी श्री तोमर ने कहा विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में सुधार लाने के लिए शिक्षकगण नवाचारपूर्ण एवं गतिविधि-आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाएं। उन्होंने नियमित उपस्थिति, सतत मूल्यांकन, कक्षा शिक्षण की गुणवत्ता तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष बल दिया। साथ ही शिक्षकों से विद्यालयों में सकारात्मक, प्रेरणादायी एवं अनुशासित शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने का आह्वान किया। शैक्षिक संवाद के दौरान शिक्षकों के साथ शैक्षणिक गतिविधियों, सीखने के परिणामों में सुधार तथा विद्यालयों में प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों ने प्राप्त सुझावों के अनुरूप विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

निजी अस्पताल की एम्बुलेंस सिविल अस्पताल पहुंची, व्यवस्था पर उठे सवाल

मैहर, जीएनएस। सिविल अस्पताल परिसर में निजी मेडिकल स्पेशलिटी एंड ट्रॉमा अस्पताल की एम्बुलेंस पहुंचने का मामला सामने आया है।

बताया जा रहा है कि निजी अस्पताल की एम्बुलेंस क्रमांक स्क्र 19 क्र 4451 सिविल अस्पताल परिसर में पहुंची।

इस घटना के बाद अस्पताल की निगरानी व्यवस्था और निजी एम्बुलेंस के प्रवेश को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि कहीं मरीजों को निजी अस्पतालों की ओर भेजने की व्यवस्था तो नहीं चल रही?

हालांकि, कमीशनखोरी के आरोप की फिलहाल कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

गौरतलब है कि कल मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा था कि यदि कोई निजी एम्बुलेंस सिविल अस्पताल पहुंचती है तो कार्रवाई की जाएगी।

ऐसे में सवाल है कि विधायक के इस बयान के बाद निजी अस्पताल की एम्बुलेंस सिविल अस्पताल परिसर तक कैसे पहुंची?

क्या अस्पताल प्रबंधन को एम्बुलेंस के प्रवेश की जानकारी थी और क्या इसके लिए अनुमति ली गई थी?

सुरक्षा गार्ड और संबंधित कर्मचारियों की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

अब देखना होगा कि स्वास्थ्य विभाग और अस्पताल प्रबंधन स्क्र 19 क्र 4451 के सिविल अस्पताल पहुंचने के कारणों की जांच कर क्या कार्रवाई करता है।

मजिस्ट्रेट के निवास के पास जुए का खेल डबरा पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

डबरा, जीएनएस। शहर में कानून व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि डबरा न्यायालय के मजिस्ट्रेट के निवास के आसपास खुलेआम जुआ खेला जा रहा है, जबकि यह क्षेत्र शहर के महत्वपूर्ण और संवेदनशील इलाकों में माना जाता है। हैरानी की बात यह है कि जुआ खेलने की गतिविधियों का आरोप ऐसे स्थान पर लगाया जा रहा है, जहां आसपास वीआईपी लोगों के निवास हैं और जहां से विद्यार्थियों सहित बड़ी संख्या में लोगों का रोजाना आना-जाना रहता है। इसके साथ ही यह इलाका डबरा बस स्टैंड के नजदीक होने के कारण भी काफी व्यस्त रहता है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि मामले की जानकारी एसडीओपी डबरा सौरव कुमार और डबरा सिटी थाना प्रभारी संजय शर्मा के संज्ञान में होने के बावजूद कथित रूप से जुए की गतिविधियां जारी हैं।

ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि आखिर शहर के इतने महत्वपूर्ण इलाके में यदि खुलेआम जुए की गतिविधियां संचालित हो रही हैं तो जिम्मेदार पुलिस अमला इस पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा?

मजिस्ट्रेट निवास, वीआईपी क्षेत्र, विद्यार्थियों की आवाजाही और बस स्टैंड जैसे व्यस्त इलाके के पास जुए के कथित संचालन ने सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब देखना होगा कि पुलिस प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और आरोपों की जांच कर जुए की गतिविधियों पर कार्रवाई करता है या नहीं।

इंदौर के पूर्व सांसद ,विधायक एवं प्रसिद्ध मजदूर नेता कॉमरेड होमी दाजी की जन्म शताब्दी समापन पर इंदौर में मजदूर आंदोलन की विरासत को किया याद

इंदौर, जीएनएस। देश में इंदौर के मजदूर आंदोलन को राष्ट्रीय स्तर पर आवाज देने वाले जुझारू ट्रेड यूनियन नेता एवं जननेता इंदौर के पूर्व सांसद एवं विधायक कॉमरेड होमी दाजी की जन्म शताब्दी के अवसर पर 13 सितंबर 2026 को इंदौर में विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न ट्रेड यूनियन, मजदूर संगठनों और सामाजिक-राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े नेताओं ने हिस्सा लिया तथा कॉम होमी दाजी के जीवन, संघर्ष और मजदूरों के अधिकारों के लिए उनके योगदान को याद किया।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मध्य प्रदेश राज्य कार्यकारिणी सदस्य कौशल शर्मा एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया कि

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि होमी दाजी का पूरा जीवन मजदूरों, श्रमिकों और आम जनता के अधिकारों के संघर्ष को समर्पित रहा। उन्होंने इंदौर के औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरों की समस्याओं को मजबूती से उठाने के साथ ही उनके संघर्ष को व्यापक राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन से जोड़ा। उनके संघर्ष की गूंज इंदौर से निकलकर देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंची। वक्ताओं ने अपने संबोधन और स्मृतियों के माध्यम से होमी दाजी के व्यक्तित्व और उनके संघर्षों को याद किया। उन्होंने कहा कि आज देश और समाज के सामने जिस तरह की चुनौतियां खड़ी हैं, ऐसे समय में होमी दाजी की संघर्षशील परंपरा को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। मजदूरों के अधिकार, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए फिर से उसी जुझारूपन के साथ मैदान में उतरने की जरूरत है।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

दैनिक श्रमसाधना
www.shramsadhnanews.com
ग्वालियर शिवपुरी से प्रकाशित
वैचारिक
मंगलवार 15 सितंबर 2026

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

अंतरिक्ष से समुद्र तक : इसरो ने अल नीनो के प्रभाव के संकेत पहचाने

समुद्र केवल पृथ्वी के विशाल जल भंडार नहीं हैं, बल्कि वे धरती की जलवायु, मौसम और पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समुद्र की सतह पर होने वाला छोटा-सा बदलाव भी हजारों किलोमीटर दूर मौसम और वर्षा के स्वरूप को प्रभावित कर सकता है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के उपग्रहों से प्राप्त आंकड़े इसी वैश्विक संबंध को समझने में वैज्ञानिकों की मदद कर रहे हैं। इसरो के ईओएस-06, जिसे ओशनसैट-3 भी कहा जाता है, ने विकसित हो रही अल नीनो परिस्थिति से जुड़े समुद्री बदलावों के संकेत दर्ज किए हैं। उपग्रह अवलोकनों में भूमध्य रेखा के निकट प्रशांत महासागर में समुद्री उत्पादकता और सतही हवाओं में बदलाव सामने आए हैं। इन संकेतों का महत्व इसलिए बढ़ जाता है, क्योंकि प्रशांत महासागर में होने वाली बड़ी जलवायु घटनाओं का प्रभाव हिंद महासागर और भारतीय मानसून तक पहुंच सकता है। अल नीनो मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर के समुद्री जल के असामान्य रूप से गर्म होने की आवर्ती जलवायु घटना है। समुद्र की सतह के तापमान में यह बदलाव वायुमंडलीय परिसंचरण और हवाओं के सामान्य स्वरूप को प्रभावित कर सकता है। इसका असर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में वर्षा, तापमान और मौसम की परिस्थितियों पर दिखाई दे सकता है। भारत के लिए अल नीनो का महत्व इसलिए अधिक है, क्योंकि इसका संबंध भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून के व्यवहार से जोड़ा जाता है। हालांकि प्रत्येक अल नीनो का प्रभाव एक जैसा नहीं होता और मानसून पर कई अन्य समुद्री एवं वायुमंडलीय परिस्थितियों का भी प्रभाव पड़ता है। इसरो के अध्ययन में सतही क्लोरोफिल-ए जैसे संकेतकों पर भी नजर रखी गई। क्लोरोफिल-ए समुद्र में मौजूद सूक्ष्म पादप प्लवकों से संबंधित होता है। ये अत्यंत छोटे जीव समुद्री खाद्य-श्रृंखला की आधारशिला हैं और समुद्र की उत्पादकता को समझने में महत्वपूर्ण संकेतक माने जाते हैं। विकसित हो रही अल नीनो परिस्थितियों के दौरान भूमध्य रेखा के निकट प्रशांत महासागर के कुछ हिस्सों में सतही क्लोरोफिल-ए में कमी देखी गई है। इसका संबंध समुद्री जल के परिसंचरण और पोषक तत्वों से भरपूर गहरे पानी के सतह पर आने की प्रक्रिया में बदलाव से हो सकता है। समुद्र की ऊपरी सतह पर पोषक तत्वों की उपलब्धता घटने का सीधा प्रभाव समुद्री सूक्ष्म जीवों की उत्पादकता पर पड़ सकता है। यही सूक्ष्म जीव आगे समुद्री खाद्य-श्रृंखला का आधार बनते हैं। इसलिए ऐसे बदलावों की लगातार निगरानी समुद्री पारिस्थितिकी को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। समुद्र की सतह और वायुमंडल एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। अल नीनो के दौरान भूमध्य रेखा के आसपास सामान्य हवाओं के स्वरूप में कमजोरी या बदलाव आ सकता है। इससे समुद्री जल की गति और पोषक तत्वों के ऊपर आने की प्रक्रिया प्रभावित होती है। इसका परिणाम समुद्री उत्पादकता में बदलाव के रूप में सामने आ सकता है। आगे चलकर इसका असर मछलियों और दूसरे समुद्री जीवों की उपलब्धता पर भी पड़ सकता है। इसलिए उपग्रह से समुद्री हवाओं, तापमान और जैविक संकेतकों की एक साथ निगरानी वैज्ञानिकों को समुद्र में हो रहे बदलावों की व्यापक तस्वीर उपलब्ध कराती है।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

अनुच्छेद 343 से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक

प्रमोद भार्गव

14 सितंबर भारत के भाषाई और संवैधानिक इतिहास की एक महत्वपूर्ण तारीख है। वर्ष 1949 में इसी दिन संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। यह निर्णय केवल किसी एक भाषा को प्रशासनिक अधिकार देने भर का विषय नहीं था, बल्कि स्वतंत्र भारत की बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक पहचान के बीच एक ऐसी व्यवस्था बनाने का प्रयास था, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर संवाद और प्रशासन के लिए एक व्यापक संपर्क भाषा उपलब्ध हो।

आज 77 वर्ष बाद जब हम हिंदी दिवस मना रहे हैं, तब हिंदी के सामने प्रश्न केवल यह नहीं है कि उसका प्रयोग कितना बढ़ा है। बड़ा सवाल यह है कि बदलती दुनिया में हिंदी की भूमिका क्या होगी? क्या हिंदी आने वाले समय में केवल साहित्य, संवाद और जनसंचार की भाषा बनी रहेगी या विज्ञान, तकनीक, अनुसंधान, अर्थव्यवस्था और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नए संसार में भी अपनी प्रभावी जगह बनाएगी?

दरअसल, हिंदी की अगली यात्रा मोबाइल फोन से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक फैली हुई है। इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों ने भाषा के उपयोग की सीमाएं तोड़ी हैं। अब भाषा केवल पुस्तक, समाचार पत्र या सरकारी कार्यालय तक सीमित नहीं है। वह मोबाइल की स्क्रीन, सामाजिक माध्यमों, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल भुगतान, चलचित्र सामग्री, आवाज आधारित सेवाओं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से करोड़ों लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुकी है।

संविधान ने दिया राजभाषा का दर्जा : स्वतंत्रता के बाद संविधान सभा के सामने देश के प्रशासन की भाषा का प्रश्न अत्यंत संवेदनशील था। भारत में तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, मराठी, बंगाली, पंजाबी, असमिया, उड़िया, सिंधी सहित अनेक भाषाएं और सैकड़ों बोलियां प्रचलित थीं। प्रत्येक भाषा अपने भीतर इतिहास, साहित्य, लोक-स्मृति और सांस्कृतिक चेतना का विशाल संसार समेटे हुए थी।

ऐसे में भाषा का प्रश्न केवल प्रशासनिक सुविधा का प्रश्न नहीं था। इसके साथ राष्ट्रीय एकता, क्षेत्रीय अस्मिता और लोकतांत्रिक संवेदनशीलता भी जुड़ी हुई थी। संविधान सभा में इस विषय पर लंबी बहस और विचार-विमर्श हुआ। अंततः 14 सितंबर 1949 को हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा स्वीकार किया गया। बाद में राजभाषा संबंधी प्रावधान संविधान के भाग 17 में शामिल किए गए।

यहां एक तथ्य को स्पष्ट रूप से समझना जरूरी है। संविधान ने हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा घोषित नहीं किया है। अनुच्छेद 343 के अनुसार संघ की राजभाषा हिंदी और उसकी लिपि देवनागरी है। संघ के सरकारी कामकाज में अंग्रेजी के प्रयोग को जारी रखने की व्यवस्था भी संवैधानिक प्रावधानों और बाद में बनाए गए कानूनों के माध्यम से की गई।

इसलिए हिंदी दिवस के अवसर पर भावनाओं के साथ संवैधानिक शब्दावली की शुद्धता भी जरूरी है। हिंदी का सम्मान तभी सार्थक होगा, जब वह भारत की बहुभाषी संरचना और लोकतांत्रिक भावना के साथ आगे बढ़े।

राजभाषा कानून से आगे की यात्रा

हिंदी को संघ की राजभाषा बनाए जाने के बाद इसके सरकारी कामकाज में प्रयोग को लेकर अनेक चरण आए। राजभाषा अधिनियम, 1963 ने संघ के आधिकारिक कार्यों में हिंदी और अंग्रेजी के प्रयोग से संबंधित व्यवस्था को कानूनी आधार दिया। इसके बाद सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास होते रहे।

1953 से हिंदी दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई। तब से हर वर्ष 14 सितंबर हिंदी के प्रचार-प्रसार, प्रयोग और विकास के संकल्प का अवसर बनता आया है। सरकारी विभागों में हिंदी सप्ताह, हिंदी पखवाड़े और हिंदी माह आयोजित किए जाते हैं। विभिन्न प्रतियोगिताएं होती हैं और हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों तथा संस्थानों को सम्मानित किया जाता है।

लेकिन हिंदी दिवस का उद्देश्य यदि केवल समारोह, पुरस्कार और भाषण तक सीमित रह जाए तो यह दिन अपनी वास्तविक सार्थकता खो देगा। भाषा का विकास किसी एक दिन के आयोजन से नहीं होता। वह निरंतर प्रयोग, सृजन और नए ज्ञान से जुड़ने की प्रक्रिया है।

365 दिन की हिंदी ही सच्ची हिंदी : हिंदी दिवस पर सबसे जरूरी आत्ममंथन यही होना चाहिए कि हम हिंदी को केवल 14 सितंबर को याद करते हैं या पूरे वर्ष उसका उपयोग करते हैं।

भाषा तभी जीवित रहती है, जब उसमें नए विचार पैदा होते हैं। जब बच्चे उसमें पढ़ते हैं, युवा उसमें नए विषय समझते हैं, वैज्ञानिक उसमें शोध करते हैं, न्याय व्यवस्था में उसका प्रभावी उपयोग होता है, प्रशासन आम आदमी से उसी की सहज भाषा में संवाद करता है और तकनीक उसे समझने तथा इस्तेमाल करने में सक्षम बनाती है।

आज हिंदी का सबसे बड़ा विस्तार जनसंचार और डिजिटल माध्यमों में दिखाई देता है। मोबाइल फोन ने हिंदी को गांवों और छोटे कस्बों तक नए रूप में पहुंचाया है। समाचार, वीडियो, शिक्षा, मनोरंजन और सामाजिक संवाद के लिए हिंदी का डिजिटल इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। यह हिंदी के लिए अवसर का नया द्वार है।

लेकिन अवसर के साथ चुनौती भी उतनी ही बड़ी है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में हिंदी

इक्कीसवीं सदी में भाषाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती अब केवल अंग्रेजी या दूसरी भाषाओं से प्रतिस्पर्धा नहीं है। असली चुनौती तकनीक की गति है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता तेजी से हमारे जीवन और कार्यप्रणाली को बदल रही है। आवाज से आदेश देने, स्वतः अनुवाद, पाठ निर्माण, भाषण को लिखित रूप में बदलने, डिजिटल सहायक और ज्ञान आधारित प्रणालियों में भाषा की भूमिका बढ़ रही है।

इस परिवर्तन में हिंदी पीछे नहीं रह सकती। लेकिन इसके लिए केवल हिंदी में सामग्री उपलब्ध होना पर्याप्त नहीं है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए उच्च गुणवत्ता वाले विशाल भाषाई भंडार, प्रामाणिक शब्दकोश, वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली, अच्छे अनुवाद संसाधन तथा विभिन्न भारतीय भाषाओं के बीच मजबूत भाषाई संबंध विकसित करने होंगे।

यदि हिंदी में विश्वसनीय और व्यापक डिजिटल ज्ञान-संसाधन तैयार नहीं हुए तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में उसकी भूमिका सीमित रह सकती है। इसके विपरीत यदि तकनीक को हिंदी के साथ मजबूती से जोड़ा गया तो यही दौर हिंदी के इतिहास की सबसे बड़ी क्रांति भी साबित हो सकता है।

हिंदी की ताकत उसकी समावेशिता में

हिंदी को आगे बढ़ाने का अर्थ भारत की दूसरी भाषाओं को पीछे धकेलना नहीं हो सकता। भारत की भाषाई विविधता उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि सभ्यता की सबसे बड़ी शक्ति है।

तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, मराठी, बंगाली, पंजाबी, असमिया, उड़िया, सिंधी और अन्य भारतीय भाषाओं ने भारत की संस्कृति और ज्ञान परंपरा को समृद्ध किया है। प्रत्येक भाषा का अपना साहित्य, इतिहास और सामाजिक अनुभव है।

नीट अब जल्द ही कंप्यूटर आधारित परीक्षा बनेगी

किशोर और स्क्रीन : क्या किताबें पीछे छूट रही हैं?

डॉ. विजय गर्ग

भारत की सबसे महत्वपूर्ण मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं में शामिल राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानी नीट अब एक बड़े तकनीकी बदलाव की ओर बढ़ रही है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के महानिदेशक अभिषेक सिंह के अनुसार, नीट को पारंपरिक कागज-कलम आधारित परीक्षा से निकालकर कंप्यूटर आधारित परीक्षा में बदलने की तैयारी की जा रही है। यदि यह परिवर्तन लागू होता है तो देश की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षाओं में से एक के संचालन और निगरानी का तरीका पूरी तरह बदल जाएगा।

यह बदलाव केवल प्रश्न-पत्र और उत्तर पुस्तिका को कंप्यूटर स्क्रीन पर ले जाने तक सीमित नहीं होगा। इसके साथ परीक्षा केंद्रों का व्यापक विस्तार, तकनीकी ढांचे को मजबूत करना, सर्वर और नेटवर्क की क्षमता बढ़ाना तथा साइबर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करना भी जरूरी होगा। करोड़ों विद्यार्थियों से जुड़ी परीक्षा में एक छोटी तकनीकी चूक भी बड़ी समस्या पैदा कर सकती है। इसलिए डिजिटल परीक्षा के साथ डिजिटल सुरक्षा की विश्वसनीय व्यवस्था खड़ी करना सबसे बड़ी चुनौती होगी।

कंप्यूटर आधारित परीक्षा भविष्य की दिशा

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के महानिदेशक ने कंप्यूटर आधारित परीक्षा को भविष्य की व्यवस्था बताया है। संयुक्त प्रवेश परीक्षा, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा, केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा और राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जैसी कई महत्वपूर्ण परीक्षाएं पहले से ही कंप्यूटर आधारित प्रणाली में आयोजित की जा रही हैं।

ऐसे में नीट को भी इस व्यवस्था में लाने की तैयारी स्वाभाविक रूप से परीक्षा प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में अगला कदम है। कंप्यूटर आधारित परीक्षा का एक बड़ा लाभ यह हो सकता है कि प्रश्न-पत्र की छपाई, परिवहन और भौतिक भंडारण जैसी व्यवस्थाओं पर निर्भरता कम होगी। परीक्षा की निगरानी और आंकड़ों का संकलन भी अधिक व्यवस्थित तरीके से किया जा सकेगा।

लेकिन यह मान लेना उचित नहीं होगा कि केवल कंप्यूटर का इस्तेमाल शुरू कर देने से परीक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुरक्षित और पारदर्शी हो जाएगी। इसके लिए तकनीक के साथ मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था और जवाबदेही भी जरूरी होगी।

नीट विवादों के बाद सुधार की जरूरत : पिछले वर्षों में नीट को लेकर प्रश्न-पत्र, परिणाम और कथित अनियमितताओं से जुड़े विवादों ने देशभर में परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं। लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के भविष्य से जुड़ी परीक्षा में पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

इसी संदर्भ में इन्फोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय कार्यदल की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। परीक्षा व्यवस्था में तकनीकी सुधार, सुरक्षा और निगरानी के नए उपाय तलाशना समय की जरूरत है।

कागज आधारित परीक्षा में प्रश्न-पत्र की छपाई से लेकर उसके परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने और फिर उत्तर पुस्तिकाओं के संग्रहण तक कई स्तरों पर सुरक्षा की आवश्यकता होती है। डिजिटल परीक्षा इस पूरी प्रक्रिया के कुछ हिस्सों को सरल बना सकती है, लेकिन इसके साथ नए प्रकार के साइबर खतरे भी सामने आएंगे। इसलिए डिजिटल प्रणाली में साइबर सुरक्षा को सबसे ऊंची प्राथमिकता देनी होगी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता बनेगी निगरानी का औजार : भविष्य की परीक्षा व्यवस्था में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका भी बढ़ सकती है। इसका उपयोग केवल प्रश्न तैयार करने या परीक्षा संचालित करने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि संदिग्ध गतिविधियों की पहचान और परीक्षा सुरक्षा को मजबूत करने में भी किया जा सकता है। डिजिटल परीक्षा में बड़ी मात्रा में आंकड़े उपलब्ध होते हैं। इन आंकड़ों का विश्लेषण करके असामान्य गतिविधियों, संदिग्ध व्यवहार और परीक्षा के दौरान होने वाली संभावित अनियमितताओं की पहचान की जा सकती है।

जैन मिलन युगल आदि-पार्श्व द्वारा 81 वृक्षारोपण रोपण कार्यक्रम आयोजित किया

जैन मिलन युगल आदि पार्श्व ने 81 पौधे रोपण किए, मुन्ने बच्चो को पौधे की रक्षा की शपथ दिलाई।

ग्वालियर, जीएनएस। जैन मिलन युगल आदि-पार्श्व द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति सामाजिक दायित्व के निर्वहन के उद्देश्य से आज रविवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजन श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर गुलाब चंद की वगीची थाटीपुर में किया गया। जैन मिलन युगल आदि-पार्श्व द्वारा इस आयोजन को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सार्थक पहल बताया गया। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन

जैन ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय प्रचार प्रसार अध्यक्ष राजेश जैन (बंटी) थे। वही विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष महेन्द्र जैन, क्षेत्रीय मंत्री कमलेश जैन, अध्यक्षता अध्यक्ष भरत भारती जैन, क्षेत्रीय संयोजक संजीव जैन तथा जयकुमार जैन, मंदिर कमेटी अध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिति रही। वही जैन मिलन युगल आदि पार्श्व द्वारा 81 पौधे रोपण किये गए। जिसमे नीम, गुलाब, आम, मोगरा, जड़ी बूटी, तुलसी, गुल मोहर आदि पौधे रोपण किए गए। इस अवसर पर जैन मिलन युगल आदि-पार्श्व के कार्यक्रम संयोजक श्री इंजी सुभाष रेखा जैन, पियूष सोनल सिंघई, डा. सुशाँत मेद्या जैन, मंत्री एवं कोषाध्यक्ष सहित शाखा के सदस्यों एवं समाजजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में स्वहितकामः विद्यापीठ पाठशाला परिवार की संचालिकाओ ए का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में वृक्षारोपण के साथ नन्हें मुन्ने बच्चो को पौधे प्रदान कर उन्हें उनकी रक्षा की शपथ भी दिलाई गई। आयोजन के माध्यम से समाजजनों को अधिकाधिक पौधे लगाने एवं उनकी नियमित देखभाल करने का संदेश दिया गया।

12 वर्षों के अनुभव वालीं खुशबू कुशवाह बनीं ब्यूटी पार्लर एसोसिएशन की इंदौर मंत्री

इंदौर, जीएनएस। ब्यूटी इंडस्ट्री में पिछले 12 वर्षों से सक्रिय खुशबू कुशवाह को राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत ब्यूटी पार्लर एसोसिएशन की इंदौर मंत्री नियुक्त किया गया है। एसोसिएशन के डायरेक्टर नीरज जैन ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मला त्रिपाठी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजया पालीवाल एवं राष्ट्रीय सचिव सीमा जैन की सहमति से खुशबू कुशवाह को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

खुशबू कुशवाह ने अपने करियर की शुरुआत लखनऊ से की, जहां उन्होंने ब्यूटी इंडस्ट्री से जुड़े विभिन्न कोर्स किए और अपने फ्रीलांसिंग करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने लखनऊ के अमारा, रेवाड़ी, ग्वालियर, इंदौर के खुड़ाइ सहित कई शहरों में कार्य करते हुए ब्यूटी इंडस्ट्री के अलग-अलग पहलुओं को करीब से समझा और अपने अनुभव को लगातार मजबूत किया। खुशबू ने बताया कि उनके इस सफर में माता-पिता एवं पति का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। परिवार के सहयोग और मार्गदर्शन ने उन्हें लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजया पालीवाल जी से मुलाकात उनके लिए एक महत्वपूर्ण अनुभव रहा। विजया पालीवाल के मार्गदर्शन से उन्हें ब्यूटी इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को एक मंच पर जोड़ने और उन्हें जागरूक करने की आवश्यकता को समझने का अवसर मिला।

एम वी प्रोफेशनल सोसाइटी द्वारा खोले गये की लर्निंग सेंटर का हुआ उद्घाटन

फिरोजाबाद, जीएनएस। आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद बच्चों को रोजगारपरक कंप्यूटर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए एमवी प्रोफेशनल सोसाइटी ने पहल कर एक नए कंप्यूटर सेंटर की स्थापना की जिसका उद्घाटन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश कुमार मांमा ने फीता काटकर और मां सरस्वती के तेल चित्र पर दीप प्रज्वलित किया इस अवसर पर शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे

सर्वप्रथम भारत माता और सरस्वती माता के तैलचित्र पर दीपक प्रजलित कर उद्घाटन किया गया इसके बाद स्कूल के बच्चों द्वारा स्वागत गान शिव तांडव नृत्य देशभक्ति गीत के माध्यम से लोगों का मन मोह लिया इसके बाद गणमान्य लोगों द्वारा बच्चों को अपने वचनों द्वारा आशीर्वाद दिया गया इसके बाद महासभा अध्यक्ष मुकेश कुमार मामा ने कंप्यूटर सेंटर का फीता कटकर उद्घाटन किया

अखिल भारतीय माथुरवैश्य महासभा के सानिध्य में परमेश्वर गेट स्थित मढ़ावार स्कूल में निःशुल्क ई-लर्निंग सेंटर शुरू किया गया है। यहां बच्चों को एमएस ऑफिस और टैली अकाउंटिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। सेंटर में एमएस वर्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट और टैली जैसे पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कराई जाएगी।

प्रशिक्षण का उद्देश्य बच्चों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर रोजगार और स्वरोजगार के लिए तैयार करना है। पहला बैच आज से शुरू किया इसमें अखिल भारतीय माथुरवैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश कुमार गुप्ता मामा, शंकर गुप्ता, देवेंद्र बादलस ध्रुव कुमार आचार्य मनीष कुमार सीए रीता अलंकार अश्वनी गुप्ता, सुनील सेठ, मनीष अलंकार, सचिन गुप्ता सहित समाज के लोग मौजूद रहे।

पांच घंटे में 74 वारंटी और वांछित गिरफ्तार

फिरोजाबाद। वारंटियों और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने रविवार रात विशेष अभियान चलाया। एसएसपी आदित्य लांग्हे के निर्देशन में 12/13 सितंबर की रात 12 बजे से सुबह पांच बजे तक चले अभियान में जिले की पुलिस ने 74 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इनमें 66 एनबीडब्ल्यू वारंटी, एक एसआर वांछित और सात अन्य वांछित अभियुक्त शामिल हैं। सिटी सर्किल में उत्तर पुलिस ने 10, दक्षिण ने नौ, रसूलपुर ने चार और रामगढ़ पुलिस ने छह अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। टूंडला सर्किल में टूंडला से पांच, पचोखरा से तीन, नारखी से एक, रजावली से छह और नगला सिंघी से एक अभियुक्त पकड़ा गया। सिरसागंज सर्किल में सिरसागंज से पांच, नसीरपुर से एक, नगला खंगर से एक और अरांव से दो अभियुक्त गिरफ्तार हुए। जसराना सर्किल में फरिहा से एक और जसराना से पांच, जबकि सदर सर्किल में मटसेना और लाइनपार से चार-चार अभियुक्त पकड़े गए। शिकोहाबाद सर्किल में शिकोहाबाद से पांच और खैरगढ़ से एक अभियुक्त की गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय में पेश कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कवयित्रियों की रचनाओं से गूंजा साहित्यिक मंच

फिरोजाबाद, जीएनएस। हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर साहित्यिक संस्था विराट कवयित्री परिवार की ओर से काव्य गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और छात्रा दिव्या की सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद अतिथियों का पटका पहनाकर स्वागत किया गया। काव्य गोष्ठी में फिरोजाबाद के साथ एटा, शिकोहाबाद और गाजियाबाद से पहुंचीं कवयित्रियों ने गीत, गजल, मुक्तक और हास्य-व्यंग्य की रचनाएं प्रस्तुत कीं। कविताओं ने श्रोताओं को भावविभोर किया तो हास्य रचनाओं पर जमकर ठहाके भी लगे। कार्यक्रम के दौरान संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अंजु गोयल के दोहा छंद संग्रह 'अंतर्मन की गूंज' का विमोचन किया गया। साहित्य के क्षेत्र में योगदान के लिए चंद्रेश जैन, गौरंगी मिश्रा, पद्येश श्रीवास्तव, अतर सिंह प्रेमी, प्रो. रेनू वर्मा, प्रो. विनीता गुप्ता, डॉ. अंजु गोयल, डॉ. सरिता रानी, कल्पना राजोरिया, प्रियंका राठौर और लक्ष्मी को अक्षरा सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंजू गोयल और डॉ. सरिता रानी ने संयुक्त रूप से किया। प्राचार्या प्रो. रेनू वर्मा ने अतिथियों का आभार जताया। इस अवसर पर प्रो. विनीता यादव, डॉ. राजकुमार आजाद, डॉ. ज्योति अग्रवाल, डॉ. रूमा चटर्जी, डॉ. रितु नारंग, डॉ. संध्या चतुर्वेदी, डॉ. सरिता शर्मा और तरन्नुम निशा मौजूद रहीं।

सोशल मीडिया के कारण दूरी बढी, पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ : डॉ प्रेमचंद द्वितीय

इंदौर, जीएनएस। पुस्तकों से मनुष्य का गहरा नाता है। डिजिटल दौर में किताब का महत्व जरूर कम हुआ है, लेकिन पुस्तकों का महत्व कम नहीं हुआ है। सोशल मीडिया ने किताबों को पढ़ने की आदत को भी प्रभावित किया है लेकिन यह इसी सोशल मीडिया से किताबों के प्रचार-प्रसार को भी बल मिला है। व्यंग्य और कविता अलग-अलग विधा जरूर है लेकिन दोनों में जीवन का ऑब्जरवेशन निहित है। यह बात सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार डॉ प्रेमचंद द्वितीय ने विद्योत्तमा साहित्य फाउंडेशन की इंदौर इकाई के पुस्तक चर्चा एवं काव्य संगोष्ठी समारोह में कही। प्रारम्भ में डॉ प्रेमचंद द्वितीय का स्वागत कवि, लेखक व समीक्षक संजय एम तराणेकर ने किया। दिवंगत कवि कल्याण सिंह केसर की स्मृति में अखिल भारतीय संस्था विद्योत्तमा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार डॉ अखिलेश राव और मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध व्यंग्यकार प्रेमचंद द्वितीय एवं सारस्वत अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार एवं अधिवक्ता प्रवीण चौधरी उपस्थित थे। उनके एवं गोपाल सिंह राजपूत के द्वारा दिवंगत कवि एवं पुस्तक के बारे में चर्चा की गई। चर्चा में भाग लेते समय वे भावुक भी हो गए। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर महत्वपूर्ण सारगर्भित व्याख्यान दिया गया। यह आयोजन इंदौर इकाई के अध्यक्ष साहित्य मर्मज्ञ दिनेश तिवारी ÷उपवन÷ द्वारा किया गया। इस अभिनव आयोजन की शुरुआत डॉ शशि निगम द्वारा सरस्वती वंदना से की गई। कुशल संयोजन कल्याणी गुप्ता कृति द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार संध्या बाईवार, डॉ इंदु जैन, सुरेश माहेश्वरी शिवम, हरीश हंस, संजय एम तराणेकर, डॉ अर्चना त्रिवेदी, शीला चंदन, स्वाति सिंह राठौर साहिबा, तेजकरण दुबे तेज द्वारा काव्यपाठ किया गया।

प्रियावल्लभ कुंज में पंच-दिवसीय श्रीराधा जन्म महोत्सव 15 सितम्बर से

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

वृन्दावन। छीपी गली स्थित ठाकुर प्रियावल्लभ कुंज में श्रीहित उत्सव चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में पंच-दिवसीय श्रीराधा जन्म महोत्सव का आयोजन दिनांक 15 से 19 सितम्बर 2026 पर्यंत विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया गया है।

महोत्सव के समन्वयक ÷यूपी रत्न÷ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया है कि मन्दिर के सेवायत आचार्य विष्णुमोहन नागार्च (बाबूजी) की पावन अध्यक्षता में आयोजित होने वाले इस महोत्सव का शुभारंभ 15 सितम्बर को प्रातः 7 बजे श्रीराधावल्लभीय सम्प्रदायाचार्य टिकैत अधिकारी श्रीहित मोहित मराल गोस्वामी ध्वजारोहण करके करेंगे।तत्पश्चात ठाकुर श्रीराधावल्लभ मंदिर के समाज मुखिया राकेश दुबे महाराज के द्वारा मंगलगान किया जाएगा।साथ ही अखण्ड श्रीहरिवंश नाम संकीर्तन प्रारम्भ होगा।प्रातः 10 बजे से श्रीराजभोगिया महाराज परिवार आचार्य स्वरूपों की पधरावनी का आयोजन सम्पन्न होगा।

महोत्सव के अंतर्गत नित्य प्रातः 05 बजे से प्रभात फेरी व

06 से 08 बजे तक हित वाणी पाठ होगा।इसके अलावा 15 से 17 सितम्बर तक दोपहर 03 बजे से सायं 05 बजे तक प्रख्यात भागवताचार्य श्रीहित रसिक वल्लभ नागार्च अपनी सरस वाणी के द्वारा सभी भक्तों-श्रद्धालुओं को श्रीराधा जन्म विषयक दिव्य प्रवचनों का रसपान कराएंगे। रात्रि 08ः15 बजे से हरि इच्छा तक प्रख्यात रासाचार्य स्वामी अमीचंद शर्मा के निर्देशन में नित्य रासलीला का अत्यंत नयनाभिराम व चित्ताकर्षक मंचन किया जायेगा।

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया कि 16 से 18 सितंबर पर्यन्त प्रातः 09ः30 बजे से डॉ. श्याम बिहारी खंडेलवाल व डॉ. जयेश खंडेलवाल (श्रीहित जस अलि शरण) की मुखियाई में मंगल बधाई समाज गायन होगा।18 सितम्बर को अपरान्ह 3ः30 बजे से संत-विद्वत सम्मेलन व सम्मान समारोह आयोजित किया गया है।जिसमें ÷राधा सुधा निधि श्रीहित हरिवंश चन्द्र महाप्रभु÷ ग्रन्थ का विमोचन होगा।इस ग्रन्थ का अंग्रेजी अनुवाद माधुरी सखी (लंदन) द्वारा किया गया है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. नृत्य गोपाल शर्मा (दिल्ली, विश्वविद्यालय) होंगे। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में डॉ. सारिका शुक्ला को ÷हित निधि सम्मान÷ एवं श्रीराधावल्लभीय साम्प्रदायाचार्य गोस्वामी सुकृत लाल महाराज को ÷श्रीहित परमानंद सम्मान÷ से अलंकृत किया जाएगा।साथ ही श्रीराधावल्लभ लाल का फूल कलि द्वारा श्रृंगार बनाने वाली बहिनों को समर्पित ÷फूल श्रृंगार सेवी सम्मान÷ का भी आयोजन होगा।सायं 7ः30 बजे से पुरुषोत्तम शाह - अलवेली सखी के द्वारा ढांढ़ी-ढांढ़िन नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। 19 सितंबर को प्रातः 4 बजे से प्रख्यात गायक विनोद शर्मा के द्वारा दाई बधाई गायन किया जायेगी।तत्पश्चात प्रातः 6 बजे जन्म मंगला आरती होगी।प्रातः 09 बजे श्रीजी की श्रृंगार आरती के दर्शन होंगे।तत्पश्चात विभिन्न रसिक मंडलियों द्वारा बधाई गायन एवं दधिकांदा आदि के कार्यक्रम होंगे। श्रीहित उत्सव चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष आचार्य ललित वल्लभ नागार्च एवं हित वल्लभ नागार्च ने सभी रसिक प्रेमियों से इस महोत्सव में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

दैनिक श्रमसाधना
www.shramsadhnanews.com
ग्वालियर शिवपुरी से प्रकाशित

मतभेदों के बीच सहमति बनाने में भारत की पहल, आतंकवाद से लेकर वैश्विक संस्थाओं में सुधार तक बनी साझा राय

ब्रिक्स : कूटनीति के केंद्र में उभरता भारत

प्रमोद भार्गव

विश्व राजनीति इस समय ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां मित्र और प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच की रेखाएं लगातार बदल रही हैं। कहीं युद्ध जारी है तो कहीं व्यापारिक प्रतिबंध आर्थिक संबंधों को प्रभावित कर रहे हैं। पश्चिम एशिया का संकट गहरा रहा है और रूस-यूक्रेन युद्ध का समाधान दिखाई नहीं दे रहा। ऐसे अस्थिर वैश्विक परिवेश में दिल्ली में हुआ 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन इसलिए महत्वपूर्ण है कि यहां भारत ने केवल मेजबान की भूमिका नहीं निभाई, बल्कि अलग-अलग हितों वाले देशों के बीच संवाद और सहमति का सेतु बनने की कोशिश की।

सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन जैसे नेता मौजूद थे। पश्चिम एशिया के संघर्ष को लेकर ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात की प्राथमिकताएं अलग हैं। रूस और पश्चिमी देशों के बीच यूक्रेन युद्ध को लेकर गहरी खाई है। इसके बावजूद भारत ने बातचीत के माध्यम से विवादों का समाधान निकालने की आवश्यकता पर जोर दिया। यही भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता भी है कि वह किसी एक ध्रुव का हिस्सा बनने के बजाय विभिन्न पक्षों के बीच संवाद की संभावना बनाए रखना चाहता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर पुतिन और जिनपिंग की मुलाकात भी इसी कूटनीतिक प्रयास का महत्वपूर्ण हिस्सा रही। इसे भारत, चीन और रूस के बीच संभावित त्रिपक्षीय संवाद की दिशा में सकारात्मक संकेत माना जा सकता है। हालांकि इन तीनों देशों के हित हर मुद्दे पर एक जैसे नहीं हैं, लेकिन वैश्विक व्यवस्था में पश्चिमी वर्चस्व के विकल्प के रूप में उभरते बहुध्रुवीय विश्व में इनके बीच संवाद की अपनी अहमियत है।

पूरब की ओर बढ़ता शक्ति संतुलन : वर्ष 2008 में जब वैश्विक आर्थिक संकट ने पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर दिया था, तब ब्रिटेन के तत्कालीन विदेश मंत्री डेविड मिलिबैंड ने अपने राजनयिकों को बदलती विश्व व्यवस्था को नए नजरिए से देखने की सलाह दी थी। उनका संकेत था कि भारत और चीन जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मजबूत होने के साथ वैश्विक शक्ति का संतुलन धीरे-धीरे पश्चिम से पूरब की ओर खिसक सकता है।

लगभग दो दशक बाद दिल्ली का ब्रिक्स सम्मेलन इस बदलाव की तस्वीर को और स्पष्ट करता दिखाई देता है। ब्रिक्स अब केवल उभरती अर्थव्यवस्थाओं का मंच नहीं रह गया है। यह वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं को स्वर देने वाला महत्वपूर्ण मंच बनता जा रहा है। इसका विस्तार और इसमें शामिल देशों की विविधता बताती है कि विश्व व्यवस्था अब एकध्रुवीय ढांचे से आगे बढ़कर बहुध्रुवीयता की ओर जा रही है।

मतभेदों के बावजूद साझा घोषणा : ब्रिक्स की सबसे बड़ी चुनौती हमेशा से यही रही है कि इसमें शामिल देशों के राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक हित एक-दूसरे से काफी अलग हैं। चीन और भारत के बीच सीमा विवाद है। रूस और पश्चिम के बीच संघर्ष है। पश्चिम एशिया के देशों की अपनी अलग रणनीतिक प्राथमिकताएं हैं। ऐसे में सभी सदस्य देशों की सहमति से संयुक्त घोषणा-पत्र जारी होना अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

घोषणा-पत्र में संयुक्त राष्ट्र

सुरक्षा परिषद में सुधार की जरूरत को प्रमुखता दी गई। यह मांग नई नहीं है, लेकिन बदलती वैश्विक शक्ति संरचना के बीच इसकी प्रासंगिकता लगातार बढ़ रही है। दुनिया की बड़ी आबादी और अर्थव्यवस्थाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों को वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। भारत लंबे समय से इस मांग का प्रमुख समर्थक रहा है।

भारत और ब्राजील की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की दावेदारी के समर्थन को दोहराया जाना भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण संकेत है। अब सवाल केवल सुधार की आवश्यकता स्वीकार करने का नहीं, बल्कि उस सुधार को व्यवहार में लाने का है।

आतंकवाद पर दो टूक संदेश भारत के लिए ब्रिक्स सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष आतंकवाद के मुद्दे पर बनी सहमति है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा और आतंकवाद के सुरक्षित ठिकानों, सीमा पार आवाजाही तथा आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

आतंकवाद को किसी धर्म, राष्ट्रीयता या सभ्यता से जोड़कर नहीं देखने की बात भी महत्वपूर्ण है। दुनिया में आतंकवाद के बदलते स्वरूप के बीच यह जरूरी है कि आतंकी संगठनों और उन्हें संरक्षण या आर्थिक सहायता देने वाले नेटवर्क के खिलाफ बिना किसी राजनीतिक पूर्वाग्रह के कार्रवाई हो।

भारत की चिंता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद लंबे समय से भारत के लिए चुनौती बना हुआ है। चीन और पाकिस्तान के निकट संबंधों के कारण आतंकवाद के मुद्दे पर बीजिंग का रुख भी भारत के लिए हमेशा संतोषजनक नहीं रहा। ऐसे में ब्रिक्स के साझा दस्तावेज में आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट प्रतिबद्धता भारत की कूटनीतिक कोशिशों की सफलता के रूप में देखी जा सकती है।

व्यापार युद्ध का असर और वैश्विक दक्षिण : दुनिया में बढ़ते संरक्षणवाद ने विकासशील देशों की मुश्किलें बढ़ाई हैं। बड़े देश जब अपनी आर्थिक ताकत के आधार पर एकतरफा शुल्क और गैर-शुल्क प्रतिबंध लगाते हैं तो उसका सीधा असर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है। इससे व्यापारिक असंतुलन बढ़ता है और निवेश तथा उत्पादन से जुड़े निर्णय भी प्रभावित होते हैं।

ब्रिक्स सम्मेलन में इस स्थिति पर चिंता जताना इसलिए महत्वपूर्ण है कि वैश्विक दक्षिण के देश अब केवल विकसित देशों द्वारा बनाए गए नियमों के अनुयायी बने रहना नहीं चाहते। वे वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के निर्माण में बराबर की भागीदारी चाहते हैं।

ब्रिक्स की साझा मुद्रा की चर्चा लंबे समय से होती रही है, लेकिन अभी इस दिशा में कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी। इसके बजाय स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और भुगतान व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर देना व्यावहारिक कदम है। यदि सदस्य देश इस दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे व्यापार की लागत कम करने और अंतरराष्ट्रीय लेन-देन में कुछ हद तक बाहरी निर्भरता घटाने में मदद मिल सकती है।

परमाणु खतरे के साये में दुनिया : रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के लगातार बढ़ते तनाव ने परमाणु हथियारों की सुरक्षा का प्रश्न फिर दुनिया के सामने खड़ा कर दिया है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और पश्चिमी देशों की चिंताएं हैं, वहीं इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है। दक्षिण एशिया में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव भी परमाणु जोखिम से जुड़ा हुआ है। ऐसे समय में परमाणु अप्रसार व्यवस्था को मजबूत करने और परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने की जरूरत पहले से कहीं अधिक है। पश्चिम एशिया को परमाणु हथियार मुक्त क्षेत्र बनाने की अपील भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। परमाणु हथियारों का होना केवल दो देशों की सुरक्षा का प्रश्न नहीं है। यदि राजनीतिक अस्थिरता, आतंकवाद और परमाणु क्षमता एक ही क्षेत्र में मौजूद हों तो उसका खतरा पूरी मानवता के लिए बढ़ जाता है। इसलिए परमाणु निरस्त्रीकरण और हथियार नियंत्रण को वैश्विक संवाद का केंद्रीय विषय बनाना होगा।

घोषणाओं से आगे बढ़ने की जरूरत : ब्रिक्स सम्मेलन ने कई मुद्दों पर सहमति का रास्ता दिखाया है, लेकिन घोषणाओं और वास्तविक बदलाव के बीच लंबी दूरी होती है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग वर्षों से हो रही है। इसके बावजूद स्थायी सदस्यों की अपनी राजनीतिक और सामरिक प्राथमिकताओं के कारण इस दिशा में निर्णायक प्रगति नहीं हो पाई है।

अब केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि संयुक्त राष्ट्र को अधिक लोकतांत्रिक और प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाया जाना चाहिए। इसके लिए समयबद्ध और लिखित सहमति के साथ ठोस प्रस्ताव सामने आने चाहिए। सदस्य देशों को अपने मतभेदों के बावजूद उन विषयों की पहचान करनी होगी, जिन पर सामूहिक कार्रवाई संभव है।

दिल्ली का ब्रिक्स सम्मेलन इस लिहाज से भारत के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर रहा। भारत ने यह दिखाने की कोशिश की कि वह किसी शक्ति खेमे का अनुयायी बनने के बजाय संवाद, संतुलन और सहमति की राजनीति को आगे बढ़ा सकता है। रूस से बातचीत के जरिए यूक्रेन संकट के समाधान की अपील हो या चीन के साथ मतभेदों के बावजूद संवाद बनाए रखना, भारत की कूटनीति का आधार यही संतुलन दिखाई देता है। ब्रिक्स की बढ़ती भूमिका और वैश्विक दक्षिण की बढ़ती आवाज के बीच भारत के सामने अवसर भी बड़ा है और चुनौती भी। यदि भारत अपनी कूटनीतिक सक्रियता को आर्थिक ताकत, तकनीकी क्षमता और सामरिक आत्मनिर्भरता के साथ जोड़ने में सफल रहता है तो आने वाले समय में वैश्विक शक्ति संतुलन में उसकी भूमिका और निर्णायक हो सकती है।

भगवान गणेश : आस्था के साथ जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर संपूर्ण सृष्टि जब विघ्नहर्ता और प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश के स्वागत में लीन होती है, तब केवल उत्सव मनाना ही पर्याप्त नहीं है। सच्चा उत्सव तब सार्थक होता है, जब हम भगवान गणेश के स्वरूप, कार्यशैली और आचरण में छिपे जीवन-दर्शन को अपने जीवन में उतारें। आज के भौतिकतावादी दौर में, जब मानवीय संवेदनाएं निरंतर क्षीण होती जा रही हैं, भगवान गणेश का प्रत्येक अंग और उनका प्रत्येक आचरण हमें जीवन जीने की श्रेष्ठ राह दिखाता है। भगवान श्री गणेश की सबसे पहली और महत्वपूर्ण सीख माता-पिता के प्रति श्रद्धा और सम्मान की है। पौराणिक कथा के अनुसार, जब देवताओं के बीच पूरे ब्रह्मांड की परिक्रमा करने की प्रतियोगिता हुई, तब कार्तिकेय जी अपने मयूर पर सवार होकर ब्रह्मांड की परिक्रमा के लिए निकल पड़े। गणेश जी ने अपने माता-पिता भगवान शिव और माता पार्वती की परिक्रमा की और कहा कि उनके लिए माता-पिता ही संपूर्ण ब्रह्मांड हैं। उनकी इस भक्ति और बुद्धिमत्ता से वे प्रतियोगिता में विजयी हुए। यह प्रसंग आज के समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। आधुनिक जीवन की आपाधापी में कई बार युवा अपने माता-पिता की उपेक्षा करने लगते हैं। ऐसे समय में गणेश जी का यह चरित्र हमें बताता है कि माता-पिता का सम्मान और उनकी सेवा मानव जीवन के श्रेष्ठतम कर्तव्यों में से एक है।

भगवान गणेश का स्वरूप भी अनेक गहन जीवन-सूत्रों को अपने भीतर समेटे हुए है। उनका विशाल उदर हमें सिखाता है कि जीवन में दूसरों की बातों को पचाने की क्षमता होनी चाहिए। किसी की कही बात को तुरंत दूसरे तक पहुंचाना, चुगली करना या छोटी-छोटी बातों को विवाद का कारण बनाना व्यक्ति के चरित्र को कमजोर करता है। हमें दूसरों की आलोचना, अपनी प्रशंसा और समाजहित में गोपनीय रखी जाने वाली बातों को धैर्यपूर्वक अपने भीतर रखने की कला सीखनी चाहिए। आज के समय में, जब सूचनाएं क्षणभर में एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंच जाती हैं, यह सीख और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। गणेश जी के बड़े कान हमें अच्छा श्रोता बनने की प्रेरणा देते हैं। जीवन में सफलता पाने के लिए केवल बोलना ही नहीं, बल्कि दूसरों को ध्यानपूर्वक सुनना और समझना भी आवश्यक है। जो व्यक्ति धैर्य से सुनता है, वह अधिक सीखता है और बेहतर निर्णय ले पाता है। बड़े कान हमें यह भी संदेश देते हैं कि अपने आसपास की सकारात्मक और नकारात्मक परिस्थितियों के प्रति सदैव सजग रहना चाहिए। उनकी छोटी आंखें सूक्ष्म दृष्टि का प्रतीक हैं। हमें केवल बाहरी आकार, पद, प्रतिष्ठा या चमक-दमक के आधार पर किसी व्यक्ति अथवा परिस्थिति का मूल्यांकन नहीं करना चाहिए। छोटी आंखें हमें यह भी सिखाती हैं कि बड़ी उपलब्धियां मिलने पर अहंकार नहीं करना चाहिए। वास्तविक महानता विनम्रता और विवेक में है। गणेश जी की लंबी सूंड सजगता, संवेदनशीलता और परिस्थितियों को शीघ्र भांप लेने की क्षमता का प्रतीक मानी जा सकती है। जिस प्रकार हाथी अपनी सूंड के माध्यम से आसपास के वातावरण को महसूस करता है, उसी प्रकार मनुष्य को भी अपने परिवेश के प्रति जागरूक रहना चाहिए। जीवन में आने वाले संकटों और चुनौतियों का समय रहते आकलन करने की क्षमता व्यक्ति को स्वयं के साथ-साथ समाज की सुरक्षा में भी सक्षम बनाती है। गणेश जी के स्वरूप से जुड़ी एक और महत्वपूर्ण सीख उनकी आंतरिक शक्ति से संबंधित है। बाहरी रूप, पद, प्रतिष्ठा और उपलब्धियां महत्वपूर्ण हो सकती हैं, लेकिन जीवन की वास्तविक शक्ति व्यक्ति की आंतरिक योग्यता, ज्ञान और कार्यक्षमता में निहित होती है। केवल दिखावे के आधार पर स्वयं को श्रेष्ठ समझना उचित नहीं है। मनुष्य की असली पहचान उसके गुणों और कर्मों से होती है। भगवान गणेश के हाथों में धारण किया गया अंकुश आत्म-अनुशासन का संदेश देता है। मनुष्य को बाहरी अनुशासन लागू होने की प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए। उसे स्वयं अपने मन, विचारों और इंद्रियों पर नियंत्रण रखना सीखना चाहिए। जो व्यक्ति स्वयं को अनुशासित कर लेता है, वह जीवन में अधिक स्वतंत्र, आत्मविश्वासी और सम्मानित बनता है। आत्म-संयम ही आत्म-सम्मान का आधार है।

इसी प्रकार, विशालकाय गणेश जी की सवारी मूषक भी अद्भुत संदेश देती है। यह हमें सिखाती है कि मनुष्य की भौतिक आवश्यकताएं सीमित होनी चाहिए। सीमित संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करते हुए अधिकतम और श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करना ही वास्तविक कुशलता है। सादगी, संयम और संसाधनों का उचित उपयोग जीवन को संतुलित बनाता है। इस प्रकार भगवान श्री गणेश का स्वरूप केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि एक संपूर्ण जीवन-दर्शन है। उनके बड़े कान हमें सुनना, छोटी आंखें सूक्ष्म दृष्टि रखना, विशाल उदर सहनशीलता और गोपनीयता बनाए रखना, लंबी सूंड सजगता तथा अंकुश आत्म-अनुशासन की प्रेरणा देता है। माता-पिता के प्रति उनकी भक्ति हमें संस्कारों और कर्तव्य का महत्व समझाती है, जबकि मूषक की सवारी सादगी और सीमित संसाधनों में संतुलित जीवन जीने का संदेश देती है। अतः गणेश चतुर्थी केवल पूजा-अर्चना और उत्सव का पर्व न रहकर आत्म-मंथन का अवसर भी बनना चाहिए। यदि हम भगवान गणेश की दूरदर्शिता, भक्ति, संयम, सहृदयता, सजगता और सादगी को अपने आचरण में उतारें, तो निश्चित रूप से एक अनुशासित, संवेदनशील, सहिष्णु और आदर्श समाज का निर्माण किया जा सकता है। यही विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश के चरणों में हमारी सच्ची पुष्पांजलि होगी।

(लेखक- मध्यप्रदेश योग आयोग के कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त अध्यक्ष हैं। आप आध्यात्मिक, धार्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक साहित्य के सृजन में निरंतर संलग्न हैं।)

23 मोबाइल, 37 सिम, 11 एटीएम कार्ड और तीन लैपटॉप जब्त; महीने में 7 से 8 करोड़ के लेन-देन का खुलासा

विंडसर हिल्स के डुप्लेक्स में चल रहा था करोड़ों का साइबर नेटवर्क

ग्वालियर जीएनएस

विंडसर हिल्स स्थित एक किराये के डुप्लेक्स में कार्यालय बनाकर ऑनलाइन सट्टा, जुआ और बैंक खातों की खरीद-फरोख्त करने वाले गिरोह का साइबर क्राइम विंग ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 23 मोबाइल फोन, 37 सिम कार्ड, 11 एटीएम कार्ड, तीन लैपटॉप, छह पासबुक सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार आरोपियों के नेटवर्क में हर महीने करीब 7 से 8 करोड़ रुपए का लेन-देन होता था। इस हिसाब से सालाना लेन-देन करीब 100 करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। पुलिस को आरोपियों के मोबाइल फोन से कई बैंक खातों की जानकारी भी मिली है, जिनकी जांच संबंधित बैंकों से कराई जा रही है।

सट्टे की वेबसाइट के जरिए खिलाते थे दांव : साइबर क्राइम विंग को 12 सितंबर को सूचना मिली थी कि विंडसर हिल्स स्थित किराये के डुप्लेक्स में कुछ लोग कार्यालय बनाकर ऑनलाइन सट्टा, बैंक खातों की खरीद-फरोख्त और ऑनलाइन जुआ संचालित कर रहे हैं। सूचना की तस्दीक के बाद पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। यहां पांच लोग कार्यालय में बैठकर उक्त गतिविधियां करते मिले।

पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम सोहित करेर, दिनेश रायकवार, शांतनु श्रीवास, सुमित कुशवाह और दीपक आर्य बताए। पुलिस के मुताबिक आरोपी 100पैनल नामक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा खिलाने का काम कर रहे थे। उनके मोबाइल फोन में बड़ी संख्या में

बैंक खातों की जानकारी मिली है। पुलिस अब इन खातों के माध्यम से हुए लेन-देन और संभावित साइबर ठगी की घटनाओं की जानकारी जुटा रही है।

दुबई और श्रीलंका से जुड़े नेटवर्क की जानकारी : प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों के दुबई और श्रीलंका से जुड़े नेटवर्क के संपर्क में होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस के अनुसार आरोपी वाट्सऐप के माध्यम से विदेश में बैठे लोगों के संपर्क में थे। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से मिले डाटा का तकनीकी विश्लेषण किया जा रहा है। इससे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों, बैंक खातों और वित्तीय लेन-देन का पता चलने की उम्मीद है।

मकान मालिक की भूमिका भी जांच के दायरे में : जिस डुप्लेक्स में यह गतिविधियां संचालित हो रही थीं, उसे किराये पर देने वाले मकान मालिक की भूमिका की भी पुलिस जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मकान मालिक को डुप्लेक्स में संचालित गतिविधियों की जानकारी थी या नहीं।

ये पांच आरोपी गिरफ्तार : पुलिस ने सोहित करेर (22), निवासी मुरार; दिनेश रायकवार (28), निवासी दतिया; शांतनु श्रीवास (20), निवासी मुरार; सुमित कुशवाह (26), निवासी पिंटू पार्क, गोला का मंदिर और दीपक आर्य (34), निवासी मुरार को गिरफ्तार किया है। सभी के खिलाफ क्राइम ब्रांच ग्वालियर में प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

बैंक खातों के लेन-देन की जांच जारी : पुलिस जब्त मोबाइल फोन, सिम कार्ड, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की तकनीकी जांच कर रही है। बैंकिंग डाटा के विश्लेषण से यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि कितने बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया और इनके माध्यम से किन लोगों के साथ साइबर ठगी या अन्य अवैध गतिविधियों को अंजाम दिया गया।

इस कार्रवाई में क्राइम ब्रांच एवं साइबर क्राइम विंग की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस की अपील : ग्वालियर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, सिम कार्ड अथवा अन्य बैंकिंग एवं डिजिटल संसाधन किसी दूसरे व्यक्ति को उपयोग के लिए उपलब्ध न कराएं। साइबर अपराधी इनका इस्तेमाल ऑनलाइन ठगी और अन्य अवैध गतिविधियों में कर सकते हैं। ऐसे मामलों में खाताधारक भी कानूनी कार्रवाई की जद में आ सकता है।

अचलेश्वर चौराहे से शुरू होकर पाटनकर चौराहा, दौलतगंज, महाराज बाड़ा होते हुए राम मंदिर पहुंचेगा

विश्वकर्मा जयंती पर निकलेगा भव्य चल समारोह

ग्वालियर जीएनएस

विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर श्री विश्वकर्मा गौड़ विकास समिति ग्वालियर की ओर से 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा पूजन दिवस एवं भव्य चल समारोह का आयोजन किया जाएगा। समिति पदाधिकारियों ने पत्रकार वार्ता में आयोजन की जानकारी दी।

समिति के अध्यक्ष कमल विश्वकर्मा, सचिव आशाराम, कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार गौड़ एवं वरिष्ठ समाजसेवी त्रिलोकनाथ पन्नालाल गौड़ ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी सामाजिक भूमि रमटापुरा में रामचरितमानस पाठ एवं भगवान विश्वकर्मा जी का पूजन किया जाएगा। इसके बाद शहर में भव्य चल समारोह निकाला जाएगा।

उन्होंने बताया कि 17 सितंबर को विश्वकर्मा सामुदायिक भवन से भगवान विश्वकर्मा की पूजा के बाद चल समारोह रवाना होगा। यह अचलेश्वर मंदिर चौराहे से शुरू होकर पाटनकर चौराहा, दौलतगंज, महाराज बाड़ा होते हुए राम मंदिर पहुंचेगा, जहां इसका समापन होगा।

समिति पदाधिकारियों ने बताया कि चल समारोह को भव्य बनाने के लिए समाज के युवा, वरिष्ठजन एवं महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल होंगी। आयोजन को लेकर समाजबंधुओं में उत्साह है।

पत्रकार वार्ता में कमल विश्वकर्मा, छविराम विश्वकर्मा, लाखन गौड़, आशाराम गौड़, अनिल गौड़, नरेंद्र कुमार, भूपकिशोर, सुदामा गौड़, मोनू विश्वकर्मा, लखनलाल, प्रेमनारायण सहित समाज के अनेक लोग मौजूद रहे।

पर्चा लिखकर भविष्य बताने वालों को पण्डोखर सरकार की खुली चुनौती

दतिया जीएनएस

पण्डोखर सरकार धाम के पीठाधीश्वर एवं त्रिकालदर्शी संत गुरुशरण जी महाराज ने पर्चा लिखकर भविष्य बताने का दावा करने वालों को खुली चुनौती दी है। उन्होंने घोषणा की है कि पांच में से चार प्रश्नों के भी हूबहू सही उत्तर पहले से लिखकर बताने वाले प्रतिभागी को 1 करोड़ 41 लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी। यह प्रतियोगिता अप्रैल 2027 में पण्डोखर धाम में आयोजित होने वाले 5151 कुंडीय अश्वमेध राजसूय महायज्ञ के दौरान होगी।

पण्डोखर सरकार धाम ट्रस्ट के संस्थापक एवं सचिव मुकेश कुमार गुप्ता, सागर ने बताया कि दिव्य दरबार में सत्संग के दौरान गुरुशरण जी महाराज ने यह घोषणा की। उन्होंने देशभर में पर्चा लिखकर भविष्य बताने का दावा करने वालों को चुनौती देते हुए कहा कि प्रतियोगिता में पांच प्रश्न दिए जाएंगे। प्रतिभागी को इन प्रश्नों के उत्तर पहले से लिखकर बताने होंगे। पांचों प्रश्नों के सही उत्तर देने पर तो पुरस्कार मिलेगा ही, पांच में से चार प्रश्नों के हूबहू सही उत्तर देने वाले को भी 1 करोड़ 41 लाख रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। गुरुशरण जी महाराज ने वर्तमान परिवेश में अश्वमेध यज्ञ के आध्यात्मिक, धार्मिक एवं सामाजिक महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इस चुनौती के माध्यम से पर्चा लिखकर भविष्य बताने संबंधी दावों की वास्तविकता को प्रत्यक्ष रूप से सामने लाने की बात कही। ट्रस्ट सचिव मुकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि पण्डोखर सरकार धाम में 20 से 28 अप्रैल 2027 तक 5151 कुंडीय अश्वमेध राजसूय महायज्ञ का आयोजन प्रस्तावित है। इसी दौरान चुनौती से संबंधित प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी।

मांझी जनजाति कर्मचारी संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक सम्पन्न

शिवपुरी जीएनएस

मांझी जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में आज भोपाल में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्यातिथि श्री पिंटू केवट जी संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.दिनेश मांझी, श्री मनोज बाथम, श्री राजेश कश्यप, श्री लालमनी सोंधिया,श्री बी. के. बाथम, और प्रदेशभर से आए पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। बैठक में समाज की एकता, संगठन की मजबूती, सामाजिक उत्थान, शिक्षा, रोजगार एवं युवाओं की भूमिका सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। समाज के विकास एवं आगामी कार्ययोजना को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों एवं पदाधिकारियों ने सभी को एकजुट होकर समाजहित में कार्य करने का आह्वान किया।

जिले में ग्रामीण आबादी भूमि की निशुल्क रजिस्ट्री करने की तैयारियां

श्योपुर शिवपुरी जीएनएस

श्योपुर जिले में भी मध्यप्रदेश स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना के तहत हितग्राहियों की निशुल्क रजिस्ट्री करने के लिये विशेष अभियान चलेगा। इस सिलसिले में कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के निर्देश पर अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय द्वारा रविवार को जिले के सभी राजस्व अधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक लेकर दस्तावेजों के निशुल्क पंजीयन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय ने राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर ग्रामीण आबादी भूमि की निशुल्क रजिस्ट्री (पंजीयन) करने की प्रक्रिया समझाई। स्वामित्व योजना अंतर्गत पटवारियों को निष्पादन अधिकारी तथा तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार, आरआई एवं पीसीओ और एडीओ को पंजीयक अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

शिवपुरी में भाजपा का सेवा संकल्प अभियान शुरू

शिवपुरी जीएनएस

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा शिवपुरी जिले में 'सेवा संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया जा रहा है। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक एक माह चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत जिलेभर में 13 सेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान का जिला संयोजक भाजपा जिला महामंत्री श्री लवलेश जैन को बनाया गया। अभियान की रूपरेखा को लेकर स्थानीय नक्षत्र गार्डन में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इसमें सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी एवं भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जसमंत जाटव ने अभियान की विस्तृत जानकारी पत्रकारों के साथ साझा की। जिला अध्यक्ष श्री जसमंत जाटव ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के दौरान 'आशीर्वाद का दीया', 'नमो सेवा यात्रा', 'आंगन का उत्सव', 'कहानी बदलाव की', 'सेवा ज्योति यात्रा', 'सेवा सेतु अभियान', 'विकसित भारत दर्शन', 'सेवा से रंगोली उत्सव', 'राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज' एवं 'जनसेवक महाकुंभ' सहित विभिन्न सेवा गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

श्री बागेश्वर धाम हनुमान चालीसा संगठन को मजबूत बनाने की रूपरेखा पर हुई कोर कमेटी की बैठक

शिवपुरी जीएनएस

श्री बागेश्वर धाम हनुमान चालीसा सेवा संगठन की कोर कमेटी की बैठक ओम नमः शिवाय लोग धाम आश्रम में आयोजित की गई। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा आगामी कार्यों की रूपरेखा तैयार की गई। इस दौरान सभी सदस्यों ने संगठन के कार्यों में अपना पूर्ण सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक के दौरान संगठन के संरक्षण एवं महंत श्री विनय दास जी महाराज का सभी सदस्यों द्वारा माला पहनाकर स्वागत, वंदन एवं अभिनंदन किया गया। महाराज जी ने सभी सदस्यों के स्नेह और सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए संगठन को सेवा एवं सामाजिक कार्यों के माध्यम से आगे बढ़ाने की बात कही। इस अवसर पर श्री बागेश्वर धाम हनुमान चालीसा सेवा संगठन के अध्यक्ष श्री संजय गौतम सहित कोर कमेटी के सभी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों और सेवा कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

भोपाल नगर निगम द्वारा बड़ा तालाब के पास बने मकानों को तोड़ने दिये नोटिस पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

जबलपुर, जीएनएस।
भोपाल नगर निगम द्वारा करीब 45 व्यक्तियों एवं संस्थाओं आदि को बड़ा तालाब के पाश मकान हटाने के नोटिस जारी किये गये है इसी श्रृंखला में ग्राम कोहेफ़िज़ा साजिदा नगर स्थित खसरा नम्बर 92/1/1 रकबा रकबा 2.5790 हेक्टेयर में से 55.76 वर्गमीटर भोपाल में मुनीर खान एवं जहाँगीर खान के पक्का भवन निर्माण को अवैध निर्माण की श्रेणी में मानते हुए उक्त मकानों को हटाने हेतु नगर निगम भोपाल द्वारा म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 की धारा 307 (2) के अंतर्गत भवन स्वामी मुनीर खान एवं जहाँगीर खान को नोटिस जारी करते उक्त अवैध निर्माण/अतिक्रमण अलग करने हेतु नोटिस जारी किया गया उक्त निर्माण अलग न करने की स्थिति में नगर पालिक निगम अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत उक्त निर्माण हटाने हेतु भोपाल नगर निगम द्वारा भी आदेशित किया गया था। नगर निगम भोपाल के इस नोटिस से व्यथित होकर याचिकाकर्ता द्वारा अपील कमेटी के समक्ष सुनवाई हेतु अपील प्रस्तुत की गई, जिसके पश्चात याचिकाकर्ताओं द्वारा अपने अधिवक्ता तकमील नासिर के माध्यम से माननीय मध्यप्रदेश उच्च न्यायलय के समक्ष याचिका दायर करते नगर निगम भोपाल द्वारा दिनांक 24.04.2026 को जारी किए गए मकान तोड़ने के आदेश को चुनौती दी गई जिस पर सुनवाई करते माननीय मध्यप्रदेश उच्च न्यायलय द्वारा अपील कमेटी के समक्ष लंबित अपील के अंतिम निराकरण होने तक भोपाल नगर निगम द्वारा जारी उक्त भवन तोड़ने संबंधित आदेश पर रोक लगा दी गई है। उक्त मामले में याचिकाकर्ता के अधिवक्ता तकमील नासिर ने बताया गया कि इसके पहले भी भोपाल नगर निगम द्वारा श्रीमती शहला खान ग्राम कोहेफ़िज़ा साजिदा नगर स्थित खसरा नम्बर 92/1/1 रकबा 46.46 वर्गमीटर भोपाल में पक्का भवन निर्माण को अवैध निर्माण की श्रेणी में मानते हुए इसे हटाने हेतु नगर निगम भोपाल द्वारा म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 की धारा 307 (2) के अंतर्गत भवन स्वामी शहला खान को नोटिस जारी करते उक्त अवैध निर्माण/अतिक्रमण हटाकर अलग करने हेतु नोटिस जारी किया गया था, उक्त निर्माण अलग न करने पर नगर पालिक निगम अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत नगर निगम भोपाल द्वारा उक्त निर्माण हटाने भी आदेशित किया गया था एवं इसके साथ-साथ भोपाल नगर निगम द्वारा बड़ा तालाब के पास बने मोहम्मद अफज़ल खान का मकान जो कि ग्राम कोहेफ़िज़ा साजिदा नगर स्थित खसरा नम्बर 92/1/1 रकबा 74.34 वर्गमीटर भोपाल में पक्का भवन निर्माण को अवैध निर्माण की श्रेणी में मानते हुए इसे हटाने हेतु नगर निगम भोपाल द्वारा म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 की धारा 307 (2) के अंतर्गत भवन स्वामी मोहम्मद अफज़ल खान को नोटिस जारी करते उक्त अवैध निर्माण/अतिक्रमण हटाकर अलग करने हेतु नोटिस जारी किया गया उक्त निर्माण अलग न करने पर नगर पालिक निगम अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत उक्त निर्माण हटाने हेतु भी आदेशित किया गया था। भोपाल नगर निगम द्वारा दिनांक 24.04.2026 को जारी दोनों नोटिस को माननीय उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई जिस पर दोनों याचिकाओं पर सुनवाई करते माननीय मध्यप्रदेश उच्च न्यायलय द्वारा अपील कमेटी के समक्ष लंबित अपील के अंतिम निराकरण होने तक भोपाल नगर निगम द्वारा जारी बड़ा तालाब के पास बने उक्त संबंधित मकानों को तोड़ने संबंधित आदेश पर रोक लगा दी गई है। उक्त तीनों याचिकाओं में याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता तकमील नासिर ने पैरवी की।

19 अक्टूबर को ग्वालियर में होगा 142 व युवक व्यक्ति परिचय सम्मेलन

महाराजा अग्रसेन जयंती पर 51 सामाजिक संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा, परिचय सम्मेलन का यह मंच समाज की हर वर्ग को एक साथ खड़े होने का मौका देता है। ग्वालियर,अखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन द्वारा सामाजिक एकता स्थापित करने के उद्देश्य को लेकर लगातार पूरे देश में हर माहअग्रवैशय युवक युवती परिचय सम्मेलन गत 30 वर्षों से निरंतर आयोजित किए जाते रहे हैं इसके माध्यम से सैकड़ो परिवार अपने बच्चों का रिश्ता आसानी से कर सके हैं यह मंच समाज के हर वर्क को सामाजिक और पारिवारिक जिम्मेदारी निभाने का माध्यम बन चुका है उक्त बात आज अग्रवाल परिचय सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ने ग्वालियर में आयोजित समाज की पारिवारिक सम्मेलन में सभी को संबोधित करते हुए कही,आज कार्यालय पर आयोजित पारिवारिक परिचय सम्मेलन के कार्यक्रम में अतिथि के रूप में श्री अनिल दिलीप अग्रवाल अग्रवाल अनिल गर्ग श्रीमती नीलम शाह पूनम अग्रवाल मीरा अग्रवाल ज्योति अग्रवाल साधना गोयल शशि गर्ग, रेनू मंगल पदमा अग्रवाल रश्मि अग्रवाल, रेखा रानी गर्ग निर्मल अग्रवाल मंजू सिंघल शामिल थी।

विश्व आत्महत्या निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का दिया संदेश

मध्य प्रदेश शासन राज्य आनंद संस्थान आनंद विभाग एवं जिला प्रशासन ग्वालियर द्वारा विश्व आत्महत्या निषेध दिवस सप्ताह के अवसर पर शासकीय माध्यमिक विद्यालय तिकोनिया में शैक्षिक संवाद के दौरान शिक्षक एवं आनंदकों के साथ लोगों में आत्महत्या की रोकथाम, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता तथा जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला संपर्क व्यक्ति आनंद विभाग हेमंत त्रिवेदी ने कहा कि जीवन में आने वाली कठिन परिस्थितियां स्थायी नहीं होतीं। विपरीत परिस्थितियों में व्यक्ति को निराश होने के बजाय परिवार, मित्रों एवं विश्वसनीय लोगों से संवाद करना चाहिए और आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ की सहायता लेनी चाहिए।

कार्यक्रम में मानसिक तनाव, अकेलापन, अवसाद तथा भावनात्मक परेशानियों को समझने और समय रहते सहायता उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। जनशिक्षक मुकेश कुमार पालिया ने कहा कि किसी व्यक्ति के व्यवहार में अचानक बदलाव, अत्यधिक निराशा, सामाजिक दूरी या जीवन के प्रति नकारात्मक विचार दिखाई दें तो उसे अकेला न छोड़ें और संवेदनशीलता के साथ उसकी बात सुनें। इस अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं तथा अपने आसपास के लोगों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील रहेंगे और जरूरतमंद व्यक्ति को उचित सहायता एवं सहयोग उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम के अंत में शिक्षक करण सिंह रायपुरिया ने ÷जीवन अनमोल है,हर परिस्थिति में उम्मीद और संवाद बनाए रखें÷ का संदेश दिया गया तथा आत्महत्या की रोकथाम के लिए सामूहिक जागरूकता को आवश्यक बताया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य श्रीमती पुष्पा तोमर,शिक्षकगण एवं आनंदक उपस्थित रहे।

केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने ब्रिक्स बाजार में की शिरकत

भोपाल। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने ब्रिक्स सम्मेलन के अवसर पर आयोजित %ब्रिक्स बाज़ार% में शिरकत की। यहाँ उन्होंने मध्य प्रदेश की प्रसिद्ध हस्तशिल्प धरोहर %बाग प्रिंट% के स्टॉल पर पहुँचकर शिल्पकार मोहम्मद बिलाल खत्री और मोहम्मद काज़िम खत्री की उत्कृष्ट कलाकृति को निहारा। पारंपरिक तकनीक से प्रभावित होकर केंद्रीय मंत्री ने स्वयं अपने हाथों से लकड़ी का ठप्पा (ब्लॉक) लगाकर कपड़े पर छपाई की। इस अवसर पर शिल्पकार मोहम्मद बिलाल खत्री ने उन्हें पारंपरिक बाग प्रिंट का अंगवस्त्र भेंट कर आत्मीय सम्मान व्यक्त किया। यह क्षण भारतीय हस्तशिल्प और कारीगरों की वैश्विक पहचान का प्रतीक बना।

गौशालाओं को प्रति गाय40रुपए की जगह 30रुपए देने की पहल अत्यंत चिन्ता जनक है: पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ

भोपाल, जीएनएस।
मध्य प्रदेश में गौशालाओं के प्रति गए ?40 की जगह ?30 देने की पहल अत्यंत चिंता जनक है. एक्स पर लिखते हुए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रदेश की भाजपा सरकार से मांग की है कि इस बारे में स्थिति स्पष्ट करें अगर सरकार गाय के लिए आहार बनाने वाली कंपनियों को भुगतान करना चाहती है तो इसके लिए अलग से बजट का प्रावधान करें

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने तेजी से बढ़ती हुई महंगाई के बीच में गौ माता के आहार में कटौती करना अत्यंत निंदनीय है, भाजपा सरकार का ऐसा निर्णय गौ माता की जिन्दगी के लिए घातक होगा साथ ही प्रदेश में संचालित तीन हजार दो सो गोशाला के संचालन में बेहद कठिन होगा. पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भाजपा सरकार से गोमाता के आहार में अनुदान राशि और बढ़ाने की मांग की है।

माटी गणेश से पर्यावरण संरक्षण का दें संदेश: राजकुमार प्रजापति

माटी गणेश सिद्ध गणेश, म प्र जन अभियान परिषद एवं नर्मदा के संयुक्त तत्वावधान में सम्पूर्ण मध्य प्रदेश के ग्राम पंचायत स्तर तक माटी से श्री गणेश प्रतिमा बनाने की कार्यशाला 8 से 14सितंबर तक नवांकुर संस्थाओं के द्वारा सेक्टर स्तरीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है इसी क्रम में 12 सितंबर को मुरार ब्लाक की उटीला सेक्टर में माटी गणेश सिद्ध गणेश कार्यशाला एकता किंग।से एकेडमी स्कूल में आयोजित की गई जिसमें ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधि एवं नवांकुर सखियों ने

, एवं विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विद्धालय प्राचार्या श्रीमती सपना राठौर, विशिष्ट अतिथि ललित राठौर, अध्यक्षता राजकुमार प्रजापति ने की माटी गणेश बनाने का प्रशिक्षण नवोदित कलाकार प्रद्युम्न प्रजापति ने दिया, इस अवसर पर समिति अध्यक्ष राजकुमार प्रजापति ने कहा कि म प्र शासन की यह उत्कृष्ट पहल है जिससे धर्म, संस्कृति, पर्यावरण का संरक्षण एक साथ कर सकते हैं, बाजार में मिलने वाली प्रतिमायें प्लास्टर ऑफ पेरिस से निर्मित एवं रासायनिक रंगों से निर्मित की जाती है,अब हम सभी प्रशिक्षण लेकर अपने घर में ही खेत, तालाब की मिट्टी से प्रतिमा निर्मित करें एवं विसर्जन भी घर पर ही गंगा जल में कर उस मिट्टी को गमले में मिला सकते हैं,जो कि अति धार्मिक और पवित्र प्रक्रिया है, तभी हम धर्म संस्कृति पर्यावरण संरक्षण कर सकते हैं।

मल्टी लेवल कार पार्किंग के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश, गुणवत्ता से समझौता न करने की चेतावनी

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी एवं स्मार्ट सिटी सीईओ श्री टी. प्रतीक राव ने आज रविवार को महाराज बाड़ा स्थित निर्माणाधीन मल्टी लेवल कार पार्किंग का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित वेंडर कंपनी एलएनटी के अधिकारियों को कार्य में अपेक्षित गति लाने तथा निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने निर्माण स्थल पर डिवाटरिंग (जल निकासी) की व्यवस्था की भी जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान जलभराव की स्थिति न बने, इसके लिए डिवाटरिंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। नगर निगम आयुक्त एवं स्मार्ट सिटी सीईओ ने संबंधित निगम अधिकारियों को जल्द से जल्द बोरिंग मिलान की कार्रवाई पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए और परियोजना को निर्धारित समय में पूरा किया जा सके। उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों का विशेष रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

शासकीय पॉलिटेक्निक में 'विकसित भारत युवा कनेक्ट' कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर। माय भारत केंद्र ग्वालियर द्वारा शासकीय डॉ. भीमराव अंबेडकर पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में 'विकसित भारत युवा कनेक्ट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम युवाओं को विकसित भारतञ्च2047 के संकल्प से जोड़ना तथा नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय जैन ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर शिक्षा, कौशल, खेल एवं राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में अपनी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करना चाहिए। जिला युवा अधिकारी श्रीमती अंजली कुमारी ने कहा कि मेरा युवा भारत के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों से जोड़ने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

मुझे एक महीने पहले ही वरिष्ठ नेताओं ने दतिया से चुनाव लड़ने का संकेत दे दिया था और चुनाव डॉ नरोत्तम मिश्रा से ही होता : घनश्याम सिंह, विधायक

दतिया, जीएनएस।
मैं पिछले 17-18 साल से सेंवढ़ा की राजनीति में सक्रिय था और दतिया से चुनाव लड़ने का मेरा कोई विचार नहीं था,पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने एक महीने पहले संकेत दे दिया था कि सर्वे में आपका ही नाम आ रहा है, इसलिए आपको ही चुनाव लड़ना पड़ सकता हैं, तब मैंने मन बना लिया था और हमारा चुनाव डॉ नरोत्तम मिश्रा से ही होता और चुनाव में मजा भी आता।

यह विचार दतिया विधायक घनश्याम सिंह ने रविवार को लोधी क्षत्रिय महासभा,दतिया द्वारा गुरू माता मंदिर करन सागर पर लोधी महासभा के जिलाध्यक्ष डॉ सरनाम सिंह राजपूत के नेतृत्व में आयोजित स्वागत सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि लोधी समाज ने आज स्वागत किया, पर असली स्वागत तो मशीन का बटन दबा कर आप पहले ही कर चुके हैं, आपका बहुत आभारी हूं।

कार्यक्रम में लोधी समाज की ओर से सामुदायिक भवन की मांग विधायक श्री सिंह से की गई। जिस पर विधायक घनश्याम सिंह ने 10 लाख रुपए विधायक निधि से स्वीकृत करने की घोषणा की।

कार्यक्रम में लोधी महासभा दतिया द्वारा विधायक घनश्याम सिंह का फूल मालाएँ पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर, श्रीफल भेंट कर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बुंदेलखंड मुक्ति मोर्चा के

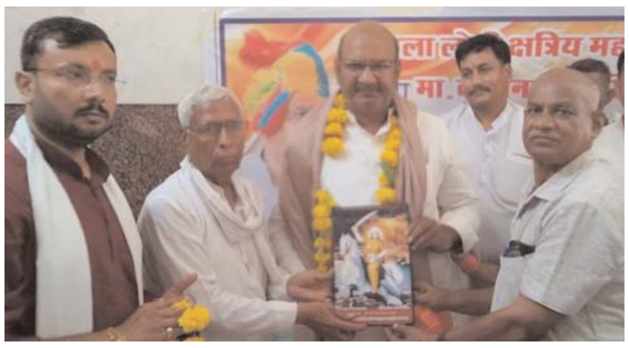

जिलाध्यक्ष दाऊ हुकुम सिंह यादव एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक दांगी बगदा का भी शॉल श्रीफल से सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के आरंभ में वीरांगना अवंति वाई लोधी के चित्र पर विधायक श्री सिंह ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धा पूर्वक नमन किया। कार्यक्रम का संचालन प्रांजुल सिंह सोनू चौहान ने किया।

इस अवसर पर ओम प्रकाश राजूपत, नत्थूराम ठेकेदार, पुष्पराज राजपूत, जिला संगठन महासचिव नरेंद्र गुर्जर, जिला महासचिव आनन्द शर्मा, अशोक दांगी पूर्व जनपद अध्यक्ष, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रज्जन खान, पूर्व शहर अध्यक्ष दीपेंद्र पुरोहित, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष केपी यादव, पूर्व पार्षद नवल यादव, पार्षद जितेंद्र प्रजापति, अनिलराज श्रीवास्तव, रिंकू यादव, डॉ राकेश खरे, बबलू यादव, संतोष चौबे, राजू विदुआ, वासुदेव सिंह कमरिया आदि सहित बड़ी संख्या में लोधी समाज के लोग एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।दतिया में विकास तो बहुत हुआ है परंतु सार्थक विकास नहीं हुआ सड़क बनी और कड़ी मेडिकल कॉलेज बना है लेकिन मेडिकल कॉलेज में हार्ड ब्रायन और किडनी के विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं होने के कारण इन लोगों का उपचार मरीजों को नहीं मिलता ट्रामा सेंटर को बना दिया परंतु उसकी उपयोगिता साबित नहीं हो रही है मरीज दतिया मेडिकल कॉलेज से गंभीर मरीजों को झांसी एवं ग्वालियर रेफर किया जाता है आप विकास का कितना भी वीडियो ढिंढोरा पीठ लोगों पर हकीकत यही है यह बात दतिया विधायक घनश्याम सिंह ने कहानी उन्होंने कहा कि दतिया के विकास के लिए प्रशासन और शासन से मांग करेंगे विपक्ष के विधायक होने के नाते शासन प्रशासन हमारी जन्मतिथि ऐसी मांगों को नहीं मानता है तो जनता के साथ भरना प्रदर्शन आंदोलन भी करेंगे उन्होंने कहा कि दतिया में उपचुनाव के बाद अमन चैन कायम है आपसी कटता विमान सत्ता खत्म हो गई है झूठे केसों में फसना उलझन की राजनीति अब नहीं रही हमें सद्भावना की राजनीति को आगे बढ़ाना है।

युवा देश का भविष्य हैं : राघवेंद्र त्रिपाठी

दतिया, जीएनएस।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर यह वर्ष संघ शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है जिसमें वर्षभर चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज गायत्री गार्डन दतिया में ÷युवा सम्मेलन ÷ कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में मुरैना विभाग के विभाग कार्यवाह राघवेंद्र त्रिपाठी रहे उन्होंने अपने उद्बबोधन में बताया कि डॉक्टर हेडगेवार जी ने संघ की स्थापना उस समय की सम सामायिक परिस्थितियों को देखते हुए की थी । उस समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में लाल, बाल, पाल, जैसे कुछ राष्ट्रवादी लोग जुड़े खिलाफत आंदोलन के बारे में उन्होंने बताया की खिलाफत

आंदोलन अंग्रेजों के विरुद्ध ना होकर तुर्की के खलीफा को हटाने के कारण भारतीय मुसलमानों ने किया था 1919 में होने वाले जलियांवाला बाग हत्याकांड तथा आजादी के पूर्व के भारत को जब डॉक्टर साहब ने देखा तो उन्हें लगा कि भारत में हिंदू संगठित नहीं है हिंदुओं को संगठित करना होगा उन्होंने हिंदुओं को संगठित करने हेतु प्रयास किया तो लोगों ने उनसे कहा कि हिंदू को संगठित करना मेंढकों को तोलने के समान है हिन्दू कभी भी संगठित नहीं हो सकता लेकिन डॉक्टर साहब ने 7 से 8 लोगों को साथ लेकर सन 1925 में संघ की स्थापना की । त्रिपाठी ने युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि युवा देश का भविष्य है अगर युवाओं को भविष्य ठीक करना है तो वर्तमान को सुधारना होगा वर्तमान पर ही भविष्य टिका होता है आज देश में मायावी युद्ध चल रहा है मायावी युद्ध से तात्पर्य सोशल मीडिया पर आने वाली किसी भी पोस्ट या जानकारी को हम बिना प्रमाण के पुष्टि किए सच मान लेते हैं और उसे वायरल करते रहते हैं जिससे वह अनेक लोगों तक बिना सच्चाई के पहुंच जाती है इस देश का युवा कभी भी देश विरोधी नहीं हो सकता लेकिन युवाओं को भ्रमित किया जा सकता है जैसा कि अभी कुछ दिन पूर्व ही पेपर लीक मामला दिल्ली के जंतर मंतर पर हुआ युवाओं को देश विरोधी षड्यंत्र फैलाने वाले लोगों से बचना चाहिए उन्हें बलवान और चरित्रवान होना चाहिए।

टीईटी के विरोध में शिक्षकों ने निकाली रैली, लगाई

दतिया, जीएनएस।
प्राथमिक माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षक संघ ने जिलाध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव के नेतृत्व में रविवार को श्री गांगोटिया हनुमान मंदिर में टीईटी के विरोध में सैंकड़ों की संख्या में शिक्षक उपस्थित हुए एवं रैली के रूप में श्री पीताम्बरा मंदिर पहुंच कर मां बगलामुखी के चरणों में सामूहिक अर्जी लगाई।

अर्जी पत्र में उल्लेख है कि टीईटी के विरोध में

न्याय, अधिकार एवं सम्मान में माई महाराज हम समस्त शिक्षक अपने सम्मान, अस्तित्व और परिवार की रक्षा हेतु आपके पावन चरणों में यह न्यायपूर्ण अर्जी प्रस्तुत करते हैं।

1. टेट (TET) से स्थायी मुक्ति व गो बैक टेट%=

हमले तत्कालीन सभी वेध नियमों और पूर्ण पात्रता से यह नियुक्ति पाई थी। 20-25 वर्षों की निष्ठावान सेवा के वाट, वीच में लियम बदल कर हम पर ञश्वञ्ञ थोपना और बाहर करने की नीति बनाना घोर अन्याय है।

हमें ञश्वञ्ञ से स्थायी मुक्ति मिले और गो बैक टीइटी% की पुकार स्वीकमेंट

2. केंद्रीय वेतनमान व समान कार्य का समान वेतनः

टाष्ट निर्माण में लगे मध्यप्रदेश के शिक्षकों को केंद्र के समान केंद्रीय वेतनमान अविलंब मिले और समान कार्य के लिए समाज वेलन का सवैधानिक अधिकार सुनिश्चित किया जाए। हमारे साथ न्याय हो।

3. वास्तविक नियुक्ति तिथि से वरिष्ठता व सेवा गणनाः

शासन बदलने से किसी बच्चे की जन्मतिथि नहीं बदलती, वैसे ही हमाटी मूल नियुक्ति तिथि अमिट है। कार्यवाही ओट सेवानिवृति में तो मूल तिथि देखी जाती है. पर वरिष्ठता में दशकों की सेवा शून्य मान कर 2018 से नई सेवा मानना कैसा दोहरा मापदंड है? हमारी पुटाली सेन को सम्मान मिले और प्रथम नियुक्ति दिनांक से ही पूर्ण वरिष्ठता बहाल हो।

जेन ज़ी का लघुकथाओं में प्रवेश लाभप्रद- कान्ता रॉय

इन्दौर, जीएनएस।
हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर साहित्य की विधा लघुकथा पर मातृभाषा उन्नयन संस्थान द्वारा लघुकथा मंथन 2026 का आयोजन रविवार को प्रीतमलाल दुआ सभागार में किया गया। इस सत्र में डॉ. पुरुषोत्तम दुबे एवं कान्ति शुक्ला को जीवन गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम ने कहा कि 'हिन्दी भाषा राष्ट्र वंदना का स्वर है और इस भाषा के लिए मातृभाषा के माध्यम से जो कार्य किया जा रहा है, वह अनुकरणीय है।'प्रथम सत्र का विषय समकालीन लघुकथा और जेन ज़ी का सहभाग पर सत्र की अध्यक्षता कर रहीं लघुकथा केंद्र भोपाल की संस्थापक कान्ता रॉय ने कहा कि 'एक ओर लघुकथा जो छोटी काया में बड़ी बात कहती है और दूसरी ओर तेज़ गति से विकसित होते जेन ज़ी हैं। यह नवाचार का अद्भुत समन्वय है। जेन ज़ी को मोबाइल की पीढ़ी कहना अधूरी बात है, क्योंकि हर पीढ़ी अपने समय से निर्मित होती है। वर्तमान के लघुकथाकार जेन ज़ी को भी समझें और मनुष्य की साइकोलॉजी को भी समझें। जेन ज़ी का लघुकथा विधा में प्रवेश बहुत लाभप्रद है।'

सम्मानमूर्ति डॉ. पुरुषोत्तम दुबे ने विषय पर कहा कि 'हमें हर पीढ़ी से जुड़ना चाहिए, लेखन के लिए जेन ज़ी के प्रति कटुता ख़त्म करें। विसंगतियों का अध्ययन कर उन्हें हटाएँ। जेन ज़ी की रचनाओं में नवीनता और समाज उपयोगी है। उन्हें पोषित करें, लेखन उनसे जंचवाएँ और नए विचार को सम्मिलित करें। हम अपनी लेखनी को निश्रित करें, तब हम नई पीढ़ी के व्यक्तित्व और कृतित्व को भी शामिल करें।'

साथ ही, सम्मानमूर्ति कान्ति शुक्ला ने संबोधित करते हुए कहा कि 'साहित्य में जीवन के हर पक्ष का समावेश होता है, उनके कारण ही समाज की जनपक्षधरता का संकेत है। युवाओं से अपेक्षा है कि वह अपनी रचनाओं में सकारात्मक संदेश दें।'कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्पण जैन 'अविचल' ने दिया। संचालन अंशुल व्यास ने व आभार डॉ. अखिलेश राव ने व्यक्त किया। दूसरे सत्र में चयनित लघुकथाकारों ने लघुकथा पाठ किया, जिनमें लघुकथा पाठ करने वाले लघुकथाकार हरेराम वाजपेयी, सत्यनारायण मंगल, आशा मानधन्या, जयश्री भार्गव, सुरेखा सिसोदिया, कल्याणी गुप्ता, संध्या राणे, सुधाकर मिश्र, संध्या राणे, विजय सिंह चौहान, विनीता तिवारी, मनमोहन चौरे, डॉ. विद्यावती पाराशर, उषा अरविंद जोशी, शिशिर उपाध्याय आदि रहे।

कल होगा बाबा अचलनाथ का महाकाल स्वरूप श्रृंगार, गणपति की शोभायात्रा के लिए प्रशासन अनुमति देकर सभी व्यवस्थाएं करे

ग्वालियर। श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर न्यास के पूर्व सचिव राजीव चड्ढा एवं पूर्व सूचना सचिव महेन्द्र भदकारिया ने संयुक्त रूप से बताया कि श्रावण मास रुद्राभिषेक बेलपत्र समापन एवं गणेश महोत्सव के उपलक्ष्य में बाबा अचलनाथ का महाकाल स्वरूप श्रृंगार उज्जैन के कुशल कारीगरों द्वारा 15 सितंबर को किया जा रहा है जिसमें बाबा का श्रृंगार भोग, फूल बंगला, छप्पन भोग एवं प्रसादी वितरण का कार्यक्रम किया जा रहा है। श्रृंगार दर्शन सायं 6 बजे एवं भंडारा सायं 7 बजे से होगा। कार्यक्रम के आयोजक अविनाश गोयल, संजय गुप्ता, अंशुल अग्रवाल, पंकज गुप्ता, प्रदीप गुर्जर, रवि भाई, कान्हा गर्ग एवं समस्त महादेव भक्त होंगे। इस आयोजन के मार्गदर्शक गगन कटारे, गौरव शर्मा सहित सभी महादेव भक्त हैं। श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर न्यास के पूर्व सचिव राजीव चड्ढा एवं पूर्व सूचना सचिव महेन्द्र भदकारिया ने जिला प्रशासन से मांग की कि जिस तरह पूर्व में गणेशोत्सव के दौरान अचलेश्वर पर विराजे श्री गणपति जी की भव्य शोभायात्रा महानगर के विभिन्न मार्गों से उत्साह, उल्लास एवं श्रद्धाभाव के साथ निकलती थी।

हिन्दी दैनिक
श्रमसाधना
आपकी दुःख की घड़ी में
श्रमसाधना सदैव आपके साथ है
उठावनी/रस्म पगड़ी
का प्रकाशन
निःशुल्क
सम्पर्क करें
ग्वालियर
☎0751-2625029
9074257600
शिवपुरी
☎07492-232149
8251071286
E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

ग्वालियर मेला ग्राउंड में होल्डिंग स्टेशन बनाने के निर्देश

सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ करें कार्य, बीमार गाय का गंभीरता से करें इलाज

ग्वालियर, जीएनएस। लम्पी वायरस से पीड़ित गायों की बढ़ती संख्या एवं गौशालाओं की व्यवस्थाओं को लेकर शनिवार को बाल भवन ऑडिटोरियम में नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी द्वारा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने लम्पी वायरस की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मदाखलत अधिकारी श्री केशव सिंह चौहान ने बताया कि प्रतिदिन लम्पी वायरस से पीड़ित लगभग 30 गायों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। मदाखलत टीम द्वारा ऐसी गायों को उपचार के लिए वेटरिनरी विभाग के रतबाई स्थित आईसीयू सेंटर पहुंचाया जा रहा है।

आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने बढ़ती संख्या को दृष्टिगत रखते हुए वेटरिनरी विभाग के उपसंचालक को निर्देश दिए कि ग्वालियर मेला ग्राउंड में होल्डिंग स्टेशन बनाया जाए तथा वहां गायों की देखभाल एवं उपचार के लिए वेटरिनरी डॉक्टर की ड्यूटी लगाई जाए। उन्होंने नोडल अधिकारी कार्यशाला को लम्पी वायरस से पीड़ित गायों को उठाने एवं समय पर संबंधित स्थान तक पहुंचाने के लिए अतिरिक्त वाहनों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही मदाखलत नोडल अधिकारी को पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने तथा सहायक यंत्री श्री अमित गुप्ता को रतबाई गौशाला में आवश्यक मरम्मत कार्य सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। निगम आयुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सौंपे गए कार्यों को पूरी जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर, नोडल अधिकारी मदाखलत श्री केशव सिंह चौहान, श्री शैलेंद्र सक्सेना, श्री अमित गुप्ता, श्री उपेंद्र यादव, श्री पुष्पेंद्र श्रीवास्तव, श्रीमती ग्रीष्म आर्य एवं वेटरिनरी विभाग के उपसंचालक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महाराज बाड़ा क्षेत्र में गंदगी मिलने पर अपर आयुक्त ने की कार्रवाई, स्वास्थ्य अधिकारियों के स्थानांतरण के निर्देश

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार एवं अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव द्वारा शनिवार को महाराज बाड़ा क्षेत्र में स्मार्ट सिटी की संरचनाओं एवं क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न स्थानों पर सफाई व्यवस्था में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव ने लगभग दोपहर 2 बजे महाराज बाड़ा क्षेत्र स्थित सुलभ शौचालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शौचालय में सफाई व्यवस्था अपेक्षित स्तर की नहीं पाए जाने पर सुलभ इंटरनेशनल के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात पूर्व नगर निगम कार्यालय भवन, एसबीआई बैंक एवं पुस्तकालय के सामने के क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया, जहां अत्यधिक गंदगी पाई गई। अपर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही नजरबाग मार्केट का भी भ्रमण किया गया। यहां अधिकांश दुकानदारों के पास डस्टबिन नहीं पाए गए तथा कई स्थानों पर गंदगी मिलने पर नाराजगी व्यक्त की गई।

हिन्दी दिवस विशेष में काव्यगोष्ठी संपन्न

संस्कार भारती एवं निमाड़ लोक-रंग संस्था के संयुक्त तत्वावधान में 77 वें हिन्दी दिवस के अवसर पर काव्यगोष्ठी, पुस्तक लोकार्पण एवं सम्मान समारोह का आयोजन श्री राजराजेश्वर होटल, महेश्वर में किया गया। कार्यक्रम में साहित्य, हिन्दी भाषा और निमाड़ की लोक-संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का सुंदर संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि डॉ. अनुराधा शर्मा, संध्या पगारे (इंदौर) मुख्य अतिथि अखिलेश पाटीदार (कसरावद) तथा अध्यक्षता के रूप में मनीष कुमार पाटीदार मंचासीन रहे।

समारोह के दौरान साहित्यकार लोकेन्द्र विश्वकर्मा की कृति 'कल्पना' का लोकार्पण किया गया। साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें '77वां हिन्दी दिवस स्मृति सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया।

इसके पश्चात आयोजित काव्यगोष्ठी में महेश्वर, मंडलेश्वर, धामनोद, खरगोन, कसरावद एवं इंदौर सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए आमंत्रित कवियों ने अपनी रचनाओं की शानदार प्रस्तुतियां दीं। काव्य-पाठ के दौरान श्रोताओं ने कवियों की रचनाओं पर तालियों के साथ उत्साहवर्धन किया। आयोजन के दौरान मातृभाषा उन्नयन संस्थान द्वारा हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। आयोजन की अध्यक्षता कर रहे मनीष कुमार पाटीदार ने सभी आमंत्रित कवि विद्वजनों से हिन्दी में हस्ताक्षर करने के लिए प्रेरित किया।

काव्यगोष्ठी में दिव्यांश शर्मा 'दिव्यम', प्रदीप शर्मा, चन्द्रकांत सेन, दिलीप काले, जयकिशोर विश्वकर्मा, डॉ. नंदिता कुशवाह, मनीषा बजाज, पिंकी उपाध्याय, शैलेन्द्र मंडलोई, आर. के. मंडलोई, नवरंग श्रृंगार, शैलेश शर्मा, लोकेन्द्र विश्वकर्मा, गौतम रावल, कुमारी निधि पाटीदार, सत्येन्द्र बुंदके, कुशाल सोनी एवं श्रुति कुशवाह सहित अनेक कवियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, साहित्यकारों एवं कवियों का आभार व्यक्त किया। समारोह ने हिन्दी भाषा के प्रति सम्मान और साहित्य के माध्यम से निमाड़ की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

14 से 18 सितंबर तक जिले में रहकर निर्वाचन कार्यों की करेंगे निगरानी

ग्वालियर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायत उप निर्वाचन 2026 के लिए ग्वालियर जिले में निर्वाचन संबंधी गति विधियों की निगरानी के लिए सेवा निवृत्त आईएएस अधिकारी श्री बी.एम. शर्मा को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। प्रेक्षक श्री शर्मा 14 से 18 सितंबर तक ग्वालियर जिले में उपस्थित रहकर पंचायत उप निर्वाचन से संबंधित कार्यों का पर्यवेक्षण करेंगे। पंचायत उप निर्वाचन 2026 के संबंध में कोई भी सर्वसामान्य नागरिक प्रेक्षक श्री बी.एम. शर्मा से बी.आई.पी. सर्किट हाउस मुरार में दोपहर 4 बजे से शाम 5 बजे तक भेंट कर सकता है।

भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना के तहत मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगी

ग्वालियर, जीएनएस। राज्य शासन के संस्कृति संचालनालय से संबद्ध श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा %भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना% शुरू की गई है। इस योजना के तहत प्रदेश भर के 102 मेधावी विद्यार्थियों (51 विद्यालयीन एवं 51 महाविद्यालयीन/विश्वविद्यालयीन) का चयन किया जाएगा। चुने गए प्रत्येक विद्यार्थी को एक लाख रूपये की प्रोत्साहन छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इस प्रतियोगिता में ग्वालियर जिले के विद्यार्थी भी भाग ले सकते हैं। श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा संचालित इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये 30 सितम्बर तक ऑनलाइन पंजीयन किया जा सकता है। प्रतियोगिता के संबंध में विस्तृत जानकारी https://shrikrishnap-atheynyas.com से प्राप्त की जा सकती है। यह प्रतियोगिता भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जित 14 विद्याओं, 64 कलाओं, महर्षि सांदीपनि और भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित होगी, जिसमें विजेताओं का अंतिम चयन पारदर्शी लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। इस छात्रवृत्ति प्रतियोगिता का मूल उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कारों और राष्ट्रनिर्माण के मूल्यों से जोड़ना है।

शिक्षा,रोजगार और युवाओं के भविष्य के सवाल पर 'जस्टिस मोर्चा' की साइकिल यात्रा वाराणसी पहुँची

राष्ट्रीय सचिव वरुण चौधरी बोले युवाओं के अधिकारों और न्यायपूर्ण भविष्य की लड़ाई में कांग्रेस उनके साथ खड़ी है

(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी। शिक्षा,रोजगार,समान अवसर,भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और युवाओं के भविष्य से जुड़े गंभीर सवालों को लेकर युवाओं द्वारा गठित 'जस्टिस मोर्चा' की साइकिल यात्रा 12 सितम्बर 2026 शनिवार को वाराणसी पहुँची 7 यात्रा के वाराणसी आगमन पर कचहरी स्थित डॉ.भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा से यात्रा को रवाना किया गया इसके बाद यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ फिर बीएचयू गेट पहुंची 7 सर्वप्रथम कचहरी स्थित अंबेडकर जी के प्रतिमा पर जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में यात्रा का स्वागत किया गया 7

स्वागत कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश्वर पटेल एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने किया 7 कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रयागराज जोन के सह प्रभारी वरुण चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने जस्टिस मोर्चा के साथियों का स्वागत करते हुए शिक्षा,रोजगार और युवाओं के अधिकारों को लेकर चलाए जा रहे उनके अभियान के प्रति समर्थन व्यक्त किया 7 जस्टिस मोर्चा का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं के बीच शिक्षा,रोजगार,भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता,समान अवसर और उनके भविष्य से जुड़े सवालों को प्रमुखता से उठाना तथा इन मुद्दों पर व्यापक जनसमर्थन तैयार करना है 7 मोर्चा द्वारा स्थानीय मुद्दों को भी अभियान का हिस्सा बनाते हुए सरकार से जवाबदेही और ठोस कार्रवाई की मांग की जा रही है 7 मोर्चा का कहना है कि उत्तर प्रदेश का युवा आज शिक्षा व्यवस्था की बदहाली, सरकारी शिक्षण संस्थानों के कमजोर होते ढाँचे,बढ़ती बेरोजगारी,प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं,भर्तियों में देरी और रोजगार के सीमित अवसरों के कारण गहरे असंतोष एवं असुरक्षा के दौर से गुजर रहा है यह केवल युवाओं का सवाल नहीं,बल्कि उत्तर प्रदेश के भविष्य का सवाल है 7

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रयागराज जोन के सह प्रभारी श्री वरुण चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश का युवा आज अपने अधिकारों,सम्मान और भविष्य के लिए संघर्ष कर रहा है 7 शिक्षा और रोजगार किसी भी सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए लेकिन आज युवा भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता,पेपर लीक, भर्तियों में देरी और रोजगार के सीमित अवसरों से परेशान है 7 सरकार को युवाओं की आवाज सुननी होगी और उनके सवालों का जवाब देना होगा 7जस्टिस मोर्चा के साथी जिस तरह प्रदेशभर में जनसंपर्क अभियान और साइकिल यात्रा के माध्यम से युवाओं को जागरूक कर रहे हैं,शिक्षा और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर समाज के बीच संवाद खड़ा कर रहे हैं तथा सरकार से सवाल पूछ रहे हैं वह सराहनीय है यह लोकतांत्रिक संघर्ष युवाओं के भविष्य से जुड़ा हुआ है 7 कांग्रेस पार्टी युवाओं के न्यायपूर्ण अधिकारों और उनके संघर्ष के साथ मजबूती से खड़ी है सरकार को स्वीकृत रिक्त पदों को भरने,लंबित भर्तियों को पूरा करने,प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और युवाओं के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकती।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश्वर पटेल एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने संयुक्त रूप से कहा कि शिक्षा,रोजगार,समान अवसर और युवाओं के भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण सवालों को लेकर जस्टिस मोर्चा के साथियों द्वारा चलाया जा रहा जनजागरण अभियान स्वागत योग्य और सराहनीय पहल है 7 हम जस्टिस मोर्चा के सभी साथियों को बधाई देते हैं कि वे साइकिल यात्रा और जनसंपर्क अभियान के माध्यम से युवाओं के बीच जागरूकता का कार्य कर रहे हैं तथा सरकार से उनके अधिकारों और भविष्य से जुड़े सवाल पूछ रहे हैं।

रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल ने दस शिक्षाविदों को किया शिक्षा गौरव सम्मान से सम्मानित

वाराणसी, जीएनएस। रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल द्वारा 13 सितम्बर रविवार को होटल कास्टेलो सिगरा में ÷अलंकरण -शिक्षा गौरव सम्मान÷ एवं टीचर्स फीलिंसिटेशन सेरेमनी का गरिमामय आयोजन किया गया 7 कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले दस शिक्षाविदों को सम्मानित किया गया 7 कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री महामहोपाध्याय आचार्य डॉ.हरिहर कृपालु त्रिपाठी रहे उनके सानिध्य एवं आशीर्वचन से समारोह की गरिमा और बढ़ गई 7

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल की अध्यक्ष डॉ.रितु गर्ग ने कहा कि ÷शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा नहीं देते,बल्कि उनके व्यक्तित्व और भविष्य का निर्माण करते हैं 7 माता- पिता जीवन देते हैं लेकिन शिक्षक उस जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं इसलिए शिक्षक वास्तव में समाज और राष्ट्र के भविष्य के निर्माता हैं 7 उन्होंने कहा कि शिक्षक का सम्मान केवल शिक्षक दिवस तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि उनके योगदान को सदैव सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद किया जाना चाहिए 7 उन्होंने कहा कि एक शिक्षक द्वारा विद्यार्थी के जीवन में डाला गया ज्ञान और संस्कार वर्षों तक प्रभाव छोड़ता है और यही वास्तविक क्रिएट लास्टिंग इम्पैक्ट है 7

डॉ.रितु गर्ग ने कहा कि रोटरी का मूल मंत्र सर्विस अबव सेल्फ और इस वर्ष का थीम क्रिएट लास्टिंग इम्पैक्ट शिक्षा के उद्देश्य से पूरी तरह जुड़ा हुआ है एक शिक्षक अपने ज्ञान और संस्कारों के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों पर स्थायी प्रभाव छोड़ता है।

अहिंसा और अपरिग्रह की साधना में उपवास व्रत की महत्वपूर्ण भूमिका

पर्युषण पर्व में कर्म निर्जरा हेतु अनेक श्रावक श्राविकायें एक दिन से लेकर आठ दिन का कर रहे हैं उपवास

अशोक कोचेटा

भगवान महावीर ने मोक्ष मार्ग पर अग्रसर होने वाले साधकों चाहे वह साधु-साध्वी हो अथवा ग्रहस्थ जीवन जी रहे श्रावक श्राविकाओं के लिए कर्मों की निर्जरा हेतु 12 तप बताए हैं। इनमें 6 वाह्‌ तप हैं जबकि शेष 6 अभयंतर (आंतरिक) तप। लेकिन इन 12 तपों में से जैन धर्मावलंबियों में सबसे प्रचलित और लोकप्रिय तप उपवास हैं। जिसमें साधक एक दिन से लेकर जीवन पर्यंत तक आहार पानी न लेने की प्रतिज्ञा करते हैं। विशेषकर पर्युषण पर्व में उपवास करने वाले साधकों का तांता लगा रहता हैं तथा जहां साधु, साध्वियों, आचार्य और उपाध्याय का चार्र्तुमास होता है वहां यह मुनिराज श्रावक श्राविकाओं को पर्युषण पर्व में उपवास करने की प्रेरणा देते हैं। शिवपुरी के स्थानकवासी जैन समाज में प्रसिद्ध जैन साध्वी प्रमोद कुंवर जी महाराज के निर्देशन में साध्वी चेतना जी और साध्वी समीता जी पर्युषण पर्व की आराधना करा रही हैं और उनकी प्रेरणा से दो दर्जन से अधिक श्रावक और श्राविका उपवास व्रत की कड़ी तपस्या करने में संलग्न है। जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक समाज में भवानी मंडी और उज्जैन से आए धर्म निष्ठ श्रावक समाज के सभी लोगों को धर्म आराधना करा रहे हैं जिससे मूर्ति पूजक समाज में भी पर्युषण पर्व में उपवास व्रत की झड़ी लगी हुई हैं। आधा दर्जन से अधिक श्रावक आठ दिन का निर्राहार, निर्जल उपवास कर रहे हैं। लेकिन उपवास करने के पीछे क्या आध्यात्मिक विज्ञान हैं। इस सवाल पर अधिकांश साधकों का जवाब रहता हैं कि इससे कर्मों की निर्जरा होती हैं। आत्मा की शुद्धि होती हैं इसे उपवास का फल मान सकते हैं, लेकिन वह कौन से जैन धर्म के सिद्धांत हैं जिनका अनुपालन उपवास व्रत से होता हैं इसका कोई समाधान यह कहने से नहीं निकलता। परन्तु भगवान महावीर की अनेकांतवाद की धारणा हमें सिखाती हैं कि उनकी यह बात भी पूरी तरह असत्य नहीं हैं। देखने का नजरिया एक यह भी हैं, लेकिन दूसरा नजरिया यह भी है कि उपवास व्रत से भगवान महावीर के पांच प्रमुख सिद्धांतों में से दो अहिंसा और अपरिग्रह का पालन होता है। उपवास से ब्रह्मचर्य की साधना भी होती है। उपवास करने वाला साधक जब आत्मा में रमण करता है तो फिर झूठ बोलना और चोरी करना भी मुश्किल हो जाता है। आइये समझते हैं उपवास से कैसे अहिंसा, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य जैसे व्रत जीवन में शामिल होते हैं।

24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर ने सभी साधकों के लिए अहिंसा, सत्य, आचार्य, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य को अनिवार्य बताया है। संसार सागर छोड़ चुके साधु साध्वियों और मुनिराज के लिए इन व्रतों को दृढ़ता से पालन करना होता है। इसलिए वैराग्य पथ पर अग्रसर साधु साध्वियों के लिए इन व्रतों को महाव्रत कहा जाता है। जबकि संसार में रहने वाले श्रावक श्राविकाओं के लिए इन व्रतों को अणुव्रत कहा जाता है। वह इसलिए क्योंकि सांसारिक जीवन जीने के कारण उन्हें इन व्रतों के पालन में कुछ छूट दी जाती हैं। इससे स्पष्ट है कि जैन सिद्धांतों के लिए अनुपालन हेतु भगवान महावीर द्वारा बताए गए यह सभी पांच व्रत बहुत अनिवार्र्य हैं और इसलिए उपवास को अहिंसा, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य के सिद्धांत को पूरी तरह जीने का एक व्यवहारिक माध्यम माना जाता है। अब सवाल यह उत्पन्न होता है कि उपवास करने से कैसे अहिंसा का पालन होता है। जैन धर्म की अहिंसा का स्वरूप बहुत व्यापक हैं। यह सिर्फ हिंसा न करने तक सीमित नहीं है बल्कि सच्ची अहिंसा तब फलीभूत होती हैं जब हम अपनी वासनाओं, कामनाओं, इच्छाओं और महत्वाकांक्षाओं पर भी नियंत्रण लगाऐं। इस अभाव में भाव हिंसा की आशंका बलबती होती है। इसे ठीक तरह से ऐसे समझें जैसे एक व्यक्ति उपवास (उपवास, बेला, तेला,अट्ठम, अटठायी या मासक्षमण)उपवास करता है तो वह उस समय के लिए भोजन बनाने और खाने की प्रक्रिया को पूरी तरह रोक देता है। जिससे इस प्रकार भोजन से जुड़ी अनिवार्य हिंसा पूरी तरह रुक जाती है और जीवों को अभयदान मिलता है। हम सभी जानते हैं कि यदि हम भोजन में सब्जी का सेवन भी करें तो उसमें एक इन्द्रिय जीव होते हैं। दूसरी बात यह है कि उपवास के दौरान भोजन का त्याग करने से इच्छाओं का भी दमन होता है और मन शांत होता है। जब इच्छाऐं शांत होती है तो आत्मा में बुरे विचारों की भाव हिंसा भी स्वयमेव रुक जाती है। इसलिए कहा जा सकता है कि अहिंसा परमो धर्म का आचरण में उतारने के लिए उपवास एक सर्वोत्तम आध्यात्मिक साधना है। अब सवाल यह है कि उपवास का अपरिग्रह के सिद्धांत से क्या संबंध है? निश्चित रूप से है। सरल भाषा में कहें तो जैन धर्म में भोजन को एक भौतिक संपदा या ग्रहण करने वाली वस्तु माना गया है। उपवास के जरिये व्यक्ति न केवल भोजन ग्रहण नहीं करता बल्कि उसके प्रति अपनी मानसिक आसक्ति का भाव भी त्याग करता है। उपवास से अपने जीवन को न्यूनतम आवश्यकताओं पर लाने की प्रेरणा मिलती है। उपवास व्रत से हमें यह भी शिक्षा मिलती है कि हम सिर्फ अपने भोजन का ही त्याग न करें बल्कि अपनी अन्य सांसारिक आवश्यकताओं को भी कम से कम करते जाऐं। लेकिन दिक्कत यह है कि हम उपवास या कहें सिर्फ अनशन पर ही रूक जाते हैं। पूर्ण उपवास क्या होता है इसका हमें न तो भान रहता है और न ही ज्ञान। सच्चे अर्थों में उपवास आत्मा में रमण करने का माध्यम हैं और अपनी आत्मा में आप तभी रमण कर सकते हैं जबकि आप अपने जीवन की आवश्यकताओं को प्रेरणा लेकर न्यूनतम स्तर पर ले आए तभी सही मायनों में उपवास फलीभूत होगा। उपवास का एक लाभ यह भी है कि इससे प्रमाद से मुक्ति मिलती है और प्रमाद के कारण ही हिंसा होने की संभावना अधिक रहती है।

जैन समाज आज मनाएगा क्षमावाणी पर्वः आठ दिन से चल रहे पर्युषण पर्व के अंतिम दिन 15 सितम्बर मंगलवार को पोषद भवन और आराधना भवन में क्रमशः स्थानकवासी जैन समाज और मूर्तिपूजक जैन समाज क्षमावाणी पर्व मनाएगा। इस दिन अधिकांश श्रावक श्राविका उपवास कर धर्म आराधना करेंगीं जिसमें प्रवचन से लेकर सामायिक, प्रतिक्रमण आदि की आराधना होगी और इसके पश्चात संसार के सभी जीवों से अपनी ज्ञात और अज्ञात गलतियों के लिए क्षमा याचना की जाएगी।

व्हीआईएसएम कॉलेज में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ हुई गणेश जी की स्थापना

ग्वालियर, जीएनएस। व्हीआईएसएम ग्रुप ऑफ स्ट्डीज़ में आज गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर भगवान श्री गणेश जी की विधि-विधान एवं श्रद्धापूर्वक स्थापना की गई। इस अवसर पर संस्थान के गुरुबख्श सिंह सभागार में विशेष पूजा-अर्चना, हवन एवं आरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षकगण, स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। छात्र-छात्राओं द्वारा पंडाल की साज-सज्जा, रंगोली की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा की स्थापना एवं पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके पश्चात विधि-विधान से हवन एवं मंत्रोच्चार किया गया। हवन के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने संस्थान की सुख-समृद्धि, विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य, सभी के स्वास्थ्य एवं कल्याण की कामना की। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन डॉ. सुनील राठौर ने कहा कि एक शिक्षित समाज ही मजबूत एवं विकसित राष्ट का निर्माण कर सकता है। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति निरंतर मेहनत करते हुए ज्ञान के साथ कौशल और अच्छे संस्कारों को भी अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

ग्वालियर पुलिस की नकबजनों के खिलाफ कार्यवाही

सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले चार शातिर नकबजनों को लाखों के सोने चांदी के आभूषणों सहित पुलिस ने किया गिरफ्तार

ग्वालियर, जीएनएस। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह,भापुसे के निर्देश पर ग्वालियर जिले में पुरानी लंवित चोरी व नकबजनी की घटनाओं का खुलासा कर चोरों, नकबजनों की धरपकड़ हेतु कार्यवाही की जा रही है। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में अति0 पुलिस अधीक्षक (मध्य/यातायात) श्री सुजावल जग्गा(भापुसे) एवं अति0 पुलिस अधीक्षक(पूर्व) डॉ0 शिवेश सिंह बघेल द्वारा अपने अधीनस्थ समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में हुई चोरियों का खुलासा कर आरोपियों को पकड़ने हेतु निर्देशित किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में सीएसपी विश्वविद्यालय श्री रवि भदौरिया एवं सीएसपी मुरार श्री संदीप बांगरे के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी ठाठीपुर निरी0 विपेन्द्र सिंह चौहान, थाना प्रभारी मुरार निरी0

मैना पटेल, थाना प्रभारी विश्वविद्यालय निरी0 रविन्द्र सिंह ने अपने-अपने थाना बल की पुलिस टीमों को थाना क्षेत्र में हुई चोरियों का खुलासा कर नकबजनों को पकड़ने हेतु लगाया गया।

(1) थाना मुरार पुलिस की कार्यवाही - दौराने विवेचना दिनांक 13.09.2026 को थाना मुरार पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि अप.क्र. 440/26 में चोरी के संदेही नदी संतर के आस पास देखे गये हैं। मुखबिर की सूचना पर से पुलिस टीम ने मौके पर जाकर देखा तो नदी संतर पर दो लड़के पुल के पास बैठे हुए दिखे, जिन्हे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में उन्होने अपने नाम सोनू उर्फ सोना जाटव व सूरज जाटव बताया। पकड़े गये दोनों संदेहियों से थाना मुरार के अपराध सदर में गहनता से पूछताछ करने पर उनके द्वारा अपने एक अन्य साथी बन्टू के साथ मिलकर दिनांक 25,26.08.2026 की रात में सूने मकान से चोरी करना स्वीकार किया गया। उक्त मामले में अन्य संदेही सोना का भाई बन्टू जिसकी तलाश उसके घर पर की तो वह पुलिस को देखकर मौके से भाग गया। जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।

(2) थाना ठाठीपुर पुलिस की कार्यवाही - दिनांक 13.09.2026 को थाना ठाठीपुर पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि अप0क्र0- 302/26 में चोरी के संदेही को देखा गया है। उक्त सूचना पर से पुलिस टीम द्वारा संदेही अजय उर्फ चेला रजक को पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसके द्वारा नेहरू कॉलोनी में सूने मकान से चोरी करना स्वीकार किया। पकड़े गये आरोपी की निशादेही पर आरोपी के खलीफा कॉलोनी किराये के मकान से एक जोडी सोने की झुमकी, एवं एक आईफोन जप्त किया गया तथा थाना ठाठीपुर के अप.क्र. 184/126 में चोरी गयी होंडा मोटरसाइ?किल क्र0 एमपी07-जेडटी-3341 को भी आरोपी से जप्त किया गया।

सात दिवसीय योग कार्यशाला का भव्य समापन, छात्राओं ने सीखे स्वस्थ जीवन के गुर

मुजफ्फरनगर। जैन कन्या पाठशाला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित सात दिवसीय योग कार्यशाला का रविवार को समारोहपूर्वक समापन हुआ। प्राचार्या प्रोफेसर सीमा जैन की अध्यक्षता में आयोजित समापन कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता की। कार्यशाला का संचालन योगाचार्य सोनम चौहान ने किया। सात दिनों तक चली योग कार्यशाला के दौरान छात्राओं एवं अन्य प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, योग विधियों तथा नियमित योगाभ्यास से होने वाले लाभों का प्रशिक्षण दिया गया। योगाचार्य सोनम चौहान ने कार्यशाला के दौरान सिखाई गई योग विधियों का प्रतिभागियों से पुनः अभ्यास कराया और योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं प्राचार्या प्रो. सीमा जैन ने कहा कि वर्तमान भागदौड़ भरी जिंदगी में योग का महत्व लगातार बढ़ रहा है। नियमित योगाभ्यास न केवल शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक है, बल्कि इससे मानसिक शांति, तनाव में कमी और सकारात्मक सोच को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे कार्यशाला में सीखी गई योग विधियों का नियमित रूप से अभ्यास करें और अपने परिवार एवं समाज के अन्य लोगों को भी योग के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन ही बेहतर शिक्षा एवं बेहतर जीवन की आधारशिला है। छात्राओं को पढ़ाई के साथ अपने स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। कार्यशाला के दौरान उत्कृष्ट सहभागिता करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रमाण-पत्र पाकर प्रतिभागियों में उत्साह देखने को मिला। प्रतिभागियों ने सात दिवसीय कार्यशाला के अनुभव साझा करते हुए कहा कि योगाभ्यास से उन्हें शारीरिक स्फूर्ति के साथ मानसिक रूप से भी बेहतर महसूस हुआ। कार्यक्रम के अंत में शारीरिक शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली सिंह ने सभी अतिथियों, योग प्रशिक्षक, प्रतिभागियों एवं महाविद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं में योग के प्रति रुचि पैदा करना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं प्रतिभागी मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर महाविद्यालय परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त की और भविष्य में भी इस प्रकार की स्वास्थ्य एवं योग संबंधी गतिविधियां आयोजित करने पर जोर दिया।

जेल मे कैद है शिवपुरी में पदस्थ डॉ. अरविंद अग्रवाल, सीएमएचओ ने किया सस्पेंड

शिवपुरी जीएनएस

दिनारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीज डॉक्टर का इंतजार करते रहे और इधर अस्पताल में पदस्थ चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरविंद कुमार अग्रवाल जेल में बंद थे। करीब 15 दिन तक अस्पताल से उनकी गैरहाजिरी के बाद ग्रामीणों ने जब स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से शिकायत की तो पड़ताल शुरू हुई। जांच आगे बढ़ी तो सामने आया कि डॉक्टर किसी छुट्टी या मेडिकल इमरजेंसी के कारण अस्पताल से दूर नहीं थे, बल्कि एक पुराने आपराधिक मामले में गिरफ्तार होकर जेल में बंद हैं। मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

डॉ. अरविंद कुमार अग्रवाल दिनारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करैरा) में चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदस्थ थे। लगातार कई दिनों तक अस्पताल नहीं पहुंचने के कारण स्थानीय लोगों और मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों ने डॉक्टर की अनुपस्थिति को लेकर स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की। इसके बाद विभाग ने मामले की जानकारी जुटानी शुरू की।

पुराने केस में 7 अगस्त को हुई थी गिरफ्तारी : जांच के दौरान पता चला कि डॉ. अग्रवाल के खिलाफ भिंड जिले के रौन थाने में महिला के इलाज में गंभीर लापरवाही के आरोप से जुड़ा मामला दर्ज है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार इस मामले में उनके खिलाफ धारा 304(2) के तहत अपराध क्रमांक 239/21 दर्ज किया गया था।

इसी प्रकरण में रौन थाना पुलिस ने 7 अगस्त को झांसी स्थित ओम शांति ग्रीन कॉलोनी के उनके निवास से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। विभागीय जानकारी के मुताबिक 8 अगस्त से वे जेल में बंद हैं।

दो बार पुलिस ने दी स्वास्थ्य विभाग को सूचना : डॉक्टर के लगातार अस्पताल से गायब रहने की शिकायत के बाद जब स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी जुटाई तो रौन थाना पुलिस से संपर्क किया गया। पुलिस की ओर से 18 अगस्त और फिर 8 सितंबर को सूचना दी गई, जिसके बाद विभाग के सामने स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो गई कि दिनारा स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉक्टर जेल में निरुद्ध हैं।

इसके बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋषिश्वर ने मामले की रिपोर्ट तैयार कर वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी। डॉ. ऋषिश्वर के मुताबिक डॉक्टर के जेल में होने की पुष्टि होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेजी गई थी।

9 सितंबर की रिपोर्ट पर हुई कार्रवाई : सीएमएचओ की ओर से 9 सितंबर को भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर आयुक्त, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने डॉ. अरविंद कुमार अग्रवाल के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की। उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं, ग्वालियर संभाग के कार्यालय में रहेगा। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन-निर्वाह भत्ता दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

मरीजों की परेशानी से खुला डॉक्टर के जेल में होने का राज : इस पूरे मामले में सबसे अहम बात यह रही कि डॉ. अग्रवाल की लगातार अनुपस्थिति से पहले दिनारा क्षेत्र के मरीजों और ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ी। अस्पताल में डॉक्टर की गैरमौजूदगी को लेकर शिकायत हुई और जब स्वास्थ्य विभाग ने इसकी तहकीकात की तो सामने आया कि जिस डॉक्टर की अस्पताल में तलाश हो रही थी, वह दरअसल भिंड के रौन थाने के मामले में जेल में निरुद्ध हैं। विभागीय जांच और पुलिस से मिली जानकारी के बाद अब उनके खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई है।

तीन घंटे चला जटिल ऑपरेशन, पेट का करीब 90 फीसदी हिस्सा बालों के गुच्छे से भरा था

अनजाने तनाव ने पहुंचाया जिंदगी-मौत के मोड़ पर, किशोरी के पेट से निकला बालों का पहाड़

शिवपुरी जीएनएस

श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में चिकित्सकों ने दुर्लभ और जटिल मामले में 14 वर्षीय किशोरी की जान बचाई। किशोरी के पेट से 16म14 सेंटीमीटर का बालों का बड़ा गुच्छा (ट्राइकोबेजोआर) निकाला गया। यह गुच्छा पेट के करीब 90 फीसदी हिस्से में फैला हुआ था और छोटी आंत तक पहुंच गया था।

किशोरी को 11 सितंबर को पेट दर्द की शिकायत के साथ शल्य चिकित्सा विभाग में भर्ती कराया गया था। जांच के दौरान उसका हीमोग्लोबिन महज 7.8 ग्राम पाया गया। चिकित्सकों ने उसे दो यूनिट रक्त चढ़ाया। आवश्यक जांचों के बाद किए गए सीटी स्कैन में पेट में छिद्र होने की आशंका के साथ बालों का बड़ा गुच्छा होने की पुष्टि हुई।

परिजनों के अनुसार, किशोरी पिछले कई महीनों से लगातार उल्टी, पेट भरा-भरा लगने और भूख कम लगने जैसी समस्याओं से परेशान थी। चिकित्सकों ने स्थिति को गंभीर मानते हुए तत्काल शल्य चिकित्सा का निर्णय लिया। करीब तीन घंटे चले ऑपरेशन में पेट खोलकर बालों के विशाल गुच्छे को बाहर निकाला गया।

अधिष्ठाता डॉ. ईला गुजारिया के मार्गदर्शन और सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. अनंत राखोंडे के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने यह ऑपरेशन किया। टीम में प्रोफेसर डॉ. सौरभ चौहान, सहायक प्राध्यापक डॉ. कौशलेन्द्र सिंह नरवरिया, डॉ. महेश पाटीदार तथा निश्चेतना विभागाध्यक्ष डॉ. प्रियंका गुप्ता शामिल रहे।

तनाव और बाल खाने की आदत से बनता है गुच्छा

चिकित्सकों के अनुसार, कुछ बच्चों और किशोरों में तनाव अथवा अन्य मनोवैज्ञानिक कारणों के चलते बाल खाने की आदत विकसित हो सकती है। लगातार बाल निगलने से वे पेट में जमा होकर धीरे-धीरे बड़े गुच्छे का रूप ले लेते हैं। इसे ट्राइकोबेजोआर कहा जाता है। समय पर उपचार नहीं मिलने पर यह गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकता है।

दशलक्षण पर्व से पहले पोहरी जैन मंदिरों में चल रहीं तैयारियां, प्रतिमाओं का मंजन

पोहरी जीएनएस

दशलक्षण पर्व के अवसर पर पोहरी श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर किले अंदर तैयारियां शुरू हो गई हैं। पर्युषण पर्व से पहले दिगम्बर जैन मंदिर किले अंदर पर वेदियों पर विराजमान भगवान की सभी प्रतिमाओं का मंजन श्रावकों द्वारा शुद्ध वस्त्रों में कर विशेष साफ-सफाई की जा रही है। वर्ष में एक बार होने वाले इस आयोजन में प्रतिमाओं के साथ वेदी, सिंहासन, गर्भगृह और मंदिर परिसर की भी सफाई की गई । जैन समाज पोहरी के योगेंद्र जैन पत्रकार ने बताया कि दिगंबर जैन परंपरा में दशलक्षण पर्व के पूर्व जिनालय और जिन प्रतिमाओं की साफ-सफाई की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। इसी परंपरा के दौरान आज श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर किले अंदर पर प्रतिमाओं के साथ वेदी, सिंहासन, गर्भगृह और मंदिर परिसर की भी सफाई की गई 16 सितंबर से शुरू होने वाले पर्व की विशेष तैयारी जैन समाज पोहरी हमेशा करता आ रहा है। इसी दौरान प्रतिमा जी के मंजन वेदी की विशेष साफ सफाई मे बाबूलाल जैन, अशोक कुमार जैन, विनोद कुमार जैन एलआईसी, योगेंद्र जैन पत्रकार, राहुल जैन मिल, हितेश जैन पत्रकार, राहुल जैन पत्रकार, संतोष जैन, कपिल जैन, युवी जैन आदि उपस्थित थे।

भारत विकास परिषद शाखा वीर तात्याटोपे की भारत को जानो प्रश्न मंच में वरिष्ठ वर्ग में केंद्रीय विद्यालय और कनिष्ठ वर्ग में हैप्पी डेज स्कूल ने मारी बाजी

शिवपुरी जीएनएस

भारत विकास परिषद शाखा वीर तात्या टोपे द्वारा भारत को जानो प्रतियोगिता के द्वितीय चरण के अंतर्गत शाखा स्तरीय भारत को जानो प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता पूरी तरह डिजिटल प्रश्न मंच के रूप में आयोजित हुई, जिसमें लिखित परीक्षा में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की टीमों ने सहभागिता की। वरिष्ठ वर्ग में केंद्रीय विद्यालय की वरुण लोदी एवं इशांत शर्मा की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। हैप्पी डेज स्कूल की अपूर्व जैन एवं शिविका पाराशर की टीम द्वितीय तथा संस्कार स्कूल के अंश कुशवाहा एवं शोएब खान की टीम तृतीय स्थान पर रही। वहीं कनिष्ठ वर्ग में हैप्पी डेज स्कूल के पार्थ शर्मा एवं आरुषि गुप्ता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। किडजी स्कूल के अदम्य वाजपेयी एवं मन्नत पाराशर द्वितीय तथा महाराणा प्रताप स्कूल के भानु प्रताप एवं प्रगति गुर्जर की टीम ने तृतीय स्थान हासिल किया।

चित्र, ऑडियो और प्रश्न मंच राउंड ने बढ़ाया उत्साह : प्रतियोगिता में भारत को जानो पुस्तक से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे गए। प्रश्न मंच में पिक्चर राउंड, ऑडियो राउंड सहित विभिन्न चरण शामिल किए गए। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्नों के उत्तर दिए और अपनी ज्ञान क्षमता का प्रदर्शन किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय गतिविधि संयोजक श्रवण पाठक तथा विशिष्ट अतिथि अमित जैन, प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती रचना गोयल, प्रांतीय वित्त सचिव एवं प्रांतीय गतिविधि संयोजक महिला सहयोगिता श्रीमती उमा शर्मा तथा प्रांतीय संयोजक भारत को जानो श्रीमती पूनम भाटिया ने सहभागिता की।

पुरुस्कार हुए वितरित : पुरस्कार सत्र में मुख्य अतिथि श्रीमती गीता दीवान ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को शील्ड एवं प्रमाण-पत्र के साथ विद्यार्थियों को मेडल भी प्रदान किए गए। क्षेत्रीय गतिविधि संयोजक श्रवण पाठक ने शाखा के प्रत्येक कार्यक्रम में सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका और कार्यप्रणाली की सराहना की। प्रतियोगिता में श्रीमती अनु जैन, श्रीमती कल्पना बुद्ध राजा एवं श्री अशोक जैन ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस अवसर पर श्रीमती ऋतु नागपाल, श्रीमती आरती चावला, श्रीमती मंजू जैन, श्रीमती वंदना गुप्ता, श्रीमती शेखावत, श्रीमती किरण अग्रवाल, श्रीमती सपना शर्मा, योगेश अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, नवीन गुप्ता, राजकिशन गौर, संजेश अग्रवाल सहित परिषद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन हरिओम अग्रवाल ने किया, जबकि प्रश्न वाचन का कार्य सुरेश बंसल ने किया। प्रतियोगिता की संपूर्ण तकनीकी व्यवस्था नीरज जैन ने सहयोगी कपिल भाटिया के साथ संभाली।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक रामकिशन तायल "फौजी" ने श्रम साधना प्रिन्टर्स गीता परिकर, न्यू बाल्मीक कॉलोनी पुराना टोल नाका, पुराना बाईपास, शिवपुरी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
email- shramsadhnagwl@gmail.com, फोन 07492-232149, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र शिवपुरी होगा।